मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 268
भोपाल, सोमवार
08 दिसम्बर 2025
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

03 इस युग के महावीर अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न...

इंटर मियामी ने वैंकूवर वाइट कैप्स को 3-1 से हराकर... 06

10 नई कैंटर बसों को दिखाई हरी झंडी, पर्यटकों के लिए आरामदायक सफारी!

मुख्यमंत्री परिवार के साथ बाघ देखने पहुंचे पन्ना टाइगर रिजर्व

पन्ना। ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव पूरे परिवार के साथ बाघ देखने पन्ना टाइगर रिजर्व पहुंचे हैं। कड़ाके की ठंड के बीच सुबह-सुबह पन्ना के मडला गेट पहुंचने पर वन अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने दो टूरिस्ट बस को हरी झंडी दिखाई, इसके बाद जिले के समस्त प्रशासनिक अधिकारी और वन अमले के साथ बाघ देखने पहुंचे। मडला गेट से प्रवेश करते हुए कोर एरिया का भ्रमण करते हुए कुछ देर बाद हिनौता गेट से बाहर निकलेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में पर्यटन की सुविधाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पन्ना नेशनल पार्क के मड़ला गेट से 10 नई वीविंग कैंटर बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अब इन बसों के जरिए पर्यटक जंगल सफारी का रोमांचक अनुभव और अधिक सुविधाजनक तरीके से आनंद ले सकेंगे।

नेशनल पार्क के एंट्री गेट से ही बुकिंग की सुविधा

नई कैंटर बसों के संचालन के बाद अब पर्यटकों को नेशनल पार्क के गेट पर ही सफारी बुक करने की सुविधा मिलेगी। ऑनलाइन बुकिंग पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इन वाहनों से जंगल सफारी का आनंद लेने के लिए प्रति व्यक्ति/प्रति राउंड लगभग 1150 से 1450 तक शुल्क देना होगा। यह 10 नई कैंटर बसें प्रदेश के प्रमुख नेशनल पार्कों और पर्यटन स्थलों जैसे बांधवगढ़, कान्हा, पेंच, पन्ना, परसिली (सीधी) सहित अन्य नेशनल पार्क्स और अन्य पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की सुविधा के लिए संचालित की जाएंगी।

मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम ने पर्यटकों को एक नई सौगात देते हुए प्रदेश के विभिन्न राष्ट्रीय उद्यानों में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार की दिशा में अहम कदम उठाया है। जंगल सफारी के लिए 10 नई आरामदायक वीविंग कैंटर बसें उपलब्ध करायी हैं। इन कैंटर बसों में एक साथ 19 पर्यटकों के बैठने की क्षमता है। यह बसें अन्य सफारी वाहनों की तुलना में अधिक लंबी और ऊंची हैं, जिससे पर्यटकों को बेहतर दृश्य और अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए ये बसें अधिक सुरक्षित मानी जा रही हैं। इन बसों की लंबाई और ऊंचाई भी अधिक है, जिससे सफर के दौरान पर्यटकों को ज्यादा जगह और आराम मिलता है। वहीं बच्चों और सीनियर सिटिज़न्स के लिए यह बसें सुरक्षित और अनूठा अनुभव प्रदान करेंगी। इन बसों में बैठकर पर्यटक न केवल वन्यजीवों के विचरण का नज़ारा देख सकेंगे, बल्कि जंगल सफारी का एक सुखद और यादगार अनुभव भी ले सकेंगे।

वहीं 10 नई वीविंग कैंटर बसों के संचालन से उन पर्यटकों को बड़ी सुविधा मिलेगी, जो पहले ऑनलाइन बुकिंग न होने की वजह से जंगल सफारी का अनुभव नहीं ले पाते थे। इसके साथ ही ऑनलाइन स्लॉट जल्दी भर जाने से कई पर्यटक नेशनल पार्क पहुंचकर भी सफारी से वंचित रह जाते थे।

मुख्यमंत्री सहित पूरा मंत्रिमंडल आम जन हित के मुद्दों पर करेगा मंथन

दो दिन खजुराहो से चलेगी सरकार

छतरपुर ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 8 और 9 दिसंबर को पूरे मंत्रिमंडल के साथ खजुराहो में प्रवास करेंगे। इस दौरान कैबिनेट बैठक से लेकर विभिन्न विभागों की विस्तृत समीक्षाएं होंगी। खजुराहो से दो दिन तक सरकार का संचालन होगा, जिसमें विकास योजनाओं की प्रगति, महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और आमजन हित के मुद्दों पर मंथन किया जाएगा। जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा आयोजन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था के चाकचौबंद इंतजाम किए गए हैं। सोमवार 8 दिसंबर को मुख्यमंत्री खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की समीक्षा से कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। इसके साथ ही औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, एमएसएमई, राजस्व, नगरीय विकास एवं आवास, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार, जनजातीय कार्य, अनुसूचित जाति कल्याण तथा खनिज विभाग की भी समीक्षा की जाएगी।

गोविंद बोलो हरी...भजन करते हुए ट्रेन से रवाना हुए तीन मंत्री

खजुराहो रवाना होने के लिए जब तीन मंत्री ट्रेन में सवार हुए। सफर के बीच उन्होंने गोविंद बोलो हरी गोपाल बोलो भजन गाकर पूरे कोच को भक्तिमय कर दिया। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस यात्रा का वीडियो अपने सोशल मीडिया पर साझा किया है। वीडियो में वे जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट और आदिम जाति कल्याण मंत्री कुंवर विजय शाह के साथ सामान्य यात्री की तरह ट्रेन की सीट पर बैठे नजर आते हैं। विजयवर्गीय हाथ में चाय का कप पकड़े हुए हैं।

कल कैबिनेट बैठक में होंगे महत्वपूर्ण फैसले : कल 9 दिसंबर को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक आयोजित होगी, जिसमें प्रमुख निर्णय लिए जाएंगे। सीसीआईपी की भी बैठक होगी।

राजनगर में लाडली बहना सम्मेलन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव 9 दिसंबर को राजनगर के सती की मढ़िया में लाडली बहना सम्मेलन में शामिल होंगे।

बिग बॉस 19 जीतने के बाद बोले गौरव खन्ना

सलमान सर के साथ खड़ा होना असली जीत थी, पत्नी संग दुनिया घूमूंगा

मुंबई ■ एजेंसी

टीवी अभिनेता गौरव खन्ना ने बिग बॉस 19 की ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। ग्रैंड फिनाले में उन्होंने न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता, बल्कि 50 लाख रुपये की इनामी राशि भी अपने नाम की। इस सीजन में फरहाना भट्ट फर्स्ट रनर-अप रहीं, जबकि प्रणित मोरे ने तीसरा स्थान हासिल किया। गौरव खन्ना ने कहा मैं बस यही कहना चाहूंगा कि आखिर में जीत हमेशा सच्चाई और अच्छाई की ही होती है। मेरी ये जीत इस बात का सबूत है कि बिग बॉस जैसे शो में बिना गाली-गलौज, बिना तोड़फोड़ और बिना नेगेटिविटी के भी आप ट्रॉफी तक पहुंच सकते हैं। आप अपने मुद्दे शांत तरीके से भी रख सकते हैं और अगर आप सही हैं तो जनता आपके साथ खड़ी रहती है।

मैंने हमेशा सपना देखा था कि अगर कभी जिंदगी में ऐसा मौका मिला, तो शो के अंत में सलमान सर मेरा हाथ पकड़ेंगे और मुझे जिताएंगे। एक कानपुर के लड़के का ये सपना उन्होंने उस दिन पूरा कर दिया। सच कहूं तो सलमान खान के साथ उस स्टेज पर खड़ा होना किसी सपने के सच होने जैसा था। इससे बड़ी बात मेरे लिए और क्या हो सकती है। 50 लाख की रकम वाकई बहुत बड़ी होती है। सच कहूं तो अभी मैंने ये तय नहीं किया है कि इस अमाउंट का क्या करूंगा। फिलहाल तो मैं बस इस जीत को महसूस करना चाहता हूं। लेकिन एक बात साफ है कि सबसे पहले मैं अपने परिवार के साथ वक्त बिताना चाहता हूं। हमने अभी तक दुनिया बहुत ज़्यादा नहीं देखी है, तो मेरी इच्छा है कि अपनी पत्नी के साथ कहीं घूमने जाऊं, नई जगहें देखूं और इस खूबसूरत जीत को खुलकर एंजॉय करूं।

आज भी इंडिगो का परिचालन संकट बरकरार

प्रमुख हवाई अड्डों पर 350 से ज्यादा उड़ानें रद्द

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंडिगो में जारी परिचालन संकट अभी भी जारी है। दिल्ली और मुंबई हवाई अड्डों पर सोमवार को भी इंडिगो की उड़ानें रद्द हो रही हैं और उनमें देरी हो रही है। हालात को देखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट ने सोमवार को सुबह साढ़े छह बजे यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी की और एडवाइजरी में बताया कि उड़ानों में देरी हो सकती है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने कहा कि घर से निकलने से पहले फ्लाइट का स्टेटस चेक जरूर करें ताकि एयरपोर्ट पर परेशानी का सामना न करना पड़े।

सोमवार को 350 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुई हैं, जिनमें अहमदाबाद हवाई अड्डे पर सोमवार सुबह 8 बजे तक इंडिगो की 18 उड़ानें रद्द हुई। बंगलूरू हवाई अड्डे पर 127 उड़ानें रद्द हुई हैं। वहीं हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 77, दिल्ली एयरपोर्ट पर 134 उड़ानें रद्द हुई हैं। चेन्नई, अहमदाबाद और असम के एयरपोर्ट्स पर टर्मिनल एरिया में भारी भीड़ है। इस तरह बीते करीब एक सप्ताह में इंडिगो की करीब चार हजार उड़ानें रद्द हो चुकी हैं, जिससे देश का हवाई यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। सरकार के दखल के बावजूद अभी तक हालात सामान्य नहीं हो सके हैं।

डीजीसीए को जवाब देने के लिए इंडिगो ने मांगा समय

इंडिगो एयरलाइन ने डीजीसीए के नोटिस का जवाब देने के लिए और समय देने की मांग की है। डीजीसीए ने शनिवार 6 दिसंबर को इंडिगो को कारण बताओ नोटिस जारी किया था, जिसमें इंडिगो के परिचालन संकट पर जवाब मांगा गया था। डीजीसीए ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स और सीओओ और अकाउंटेबल मैनेजर पोर्केरास को जारी नोटिस में कहा कि बड़े पैमाने पर परिचालन योजना बनाने की असफलता और संसाधन प्रबंधन की चूक दिखाई देती है। नोटिस में कहा गया कि इंडिगो में जारी संकट का मुख्य कारण नए एफडीटीएल नियमों को लागू करने के लिए सही इंतजाम न करना है, ऐसे में एयरलाइन के खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए।

एयरपोर्ट प्रबंधन ने कहा कि घर से निकलने से पहले फ्लाइट का स्टेटस चेक जरूर करें

इंडिगो संकट की जांच कर रही सरकार

डीजीसीए ने जवाब देने के लिए इंडिगो को 24 घंटे का समय दिया था, जो रविवार को पूरा हो गया। हालांकि इंडिगो ने रविवार को ही डीजीसीए को एक पत्र भेजकर नोटिस का जवाब देने के लिए एक दिन का और समय मांग लिया है। इंडिगो में जारी संकट की सरकार द्वारा जांच की जा रही है। सरकार द्वारा गठित चार सदस्यीय समिति इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या इंडिगो ने अक्तूबर तक समय बर्बाद किया और एफडीटीएल नियमों को लागू करने में छूट प्राप्त करने की कोशिश की? सरकार का मानना है कि देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने एफडीटीएल नियमों को लागू करने की कोई योजना नहीं बनाई, जिसके चलते परिचालन संकट पैदा हुआ। सरकार के सख्त निर्देश के बाद इंडिगो एयरलाइन ने रविवार शाम तक यात्रियों को 610 करोड़ रुपये का रिफंड कर दिया है। इसके साथ ही कंपनी ने देशभर में यात्रियों के 3 हजार से ज्यादा बैगेज भी लौटाए हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार शाम इसकी जानकारी दी।

इंडिगो संकट पर तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

कहा- सरकार देख रही है मामला

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंडिगो की उड़ानें लगातार सातवें दिन भी बड़ी संख्या में रद्द हो रही है। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका लगाकर दखल देने का आग्रह किया गया था। हालांकि, शीर्ष कोर्ट ने इस याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि सरकार ने इस मामले का संज्ञान लिया है और कार्रवाई कर रही है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, हम जानते हैं कि लाखों लोग फंसे हुए हैं। हो सकता है कि उनमें से कुछ लोगों का जरूरी काम हो और वे नहीं कर पा रहे हो। लेकिन भारत सरकार ने इस मुद्दे का संज्ञान लिया है। समय पर कदम उठाया गया है। अभी हमें कोई तात्कालिकता नहीं आती है।

आईजीआई ने जारी की एडवाइजरी

आज सुबह देशभर के प्रमुख हवाई अड्डों पर इंडिगो की उड़ानों में लगातार देरी और उड़ान रद्द होने के बीच आईजीआई ने यात्रियों के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की। इसमें यात्रियों से कहा गया कि वे हवाई अड्डे तक जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जरूर जांच लें।

हैदराबाद हवाई अड्डे को तीन उड़ानों में बम होने की धमकी मिली

हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विभिन्न शहरों से आने वाली तीन उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिनमें दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शामिल हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। हवाई अड्डे को रविवार देर रात को हीथ्रो से ब्रिटिश एयरवेज (बीए 277), फ्रैंकफर्ट से लुफ्थांसा (एलएच 752) और कन्नूर से इंडिगो के 6ई 7178 के संबंध में ईमेल प्राप्त हुए। हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि सभी उड़ानें सुरक्षित उतारी गईं। दोनों अंतरराष्ट्रीय उड़ानें सोमवार तड़के यहां उतरीं।

अंतर्मना उवाच

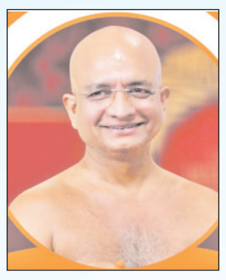

पुरूषार्थ करने से हम लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं, लेकिन सद्गुण होने से हम खुद लक्ष्य बन सकते हैं..!

जीवन में पुरूषार्थ के साथ सद्गुण होना बहुत जरूरी है। बुद्धिमान होने और कठिन परिश्रम करने से ही हमें सफलता नहीं मिल जाती। सफलता के लिए 85 फ़ीसदी जीवन मूल्य और सद्गुण का होना बहुत जरूरी है। ***आपके सद्गुण और योग्यता से जीवन के अनेक सौभाग्य के द्वार खुल सकते हैं।*** *आये दिन हम पढ़ते, सुनते और देखते हैं कि बड़े कद पद वाला व्यक्ति एक छोटी सी चारित्रिक गल्तियों की वजह से पद से च्युत हो जाता है या पद को छोड़ना पड़ता है।* ***अनेक वर्षों की मेहनत से प्राप्त किया नाम, कीर्ति, शोहरत एक छोटी सी गलती के कारण पूरे जीवन के मान सम्मान को, इज्जत प्रतिष्ठा को अर्श से फर्श पर ले आती है।*** *हम उन्नति को ही सफलता का मापदंड मान लेते हैं लेकिन यह हमारी सबसे बड़ी भूल है।*

जीवन में जब अनेक तरह की सफलतायें एक साथ होती है, तभी वह सफलता कहलाती है। ***सफलता का मतलब सिर्फ पास होना नहीं है या पैसा कमाना नहीं है,, सफलता का मतलब है कि आपके सद्गुण की खुशबू से सारा वातावरण सद्गुण मय हो जाये...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

महिदपुर कन्या छात्रावास में 15 छात्राएं बीमार, खांसी और आंखों में जलन की शिकायत

उज्जैन। उज्जैन जिले के महिदपुर तहसील स्थित कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास में रविवार देर रात छात्राओं की अचानक तबीयत बिगड़ गई। करीब 15 लड़कियों को आंखों में तेज जलन, खांसी और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत हुई। सभी को तुरंत महिदपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। आशंका है कि हॉस्टल के बाहर किसी वाहन से निकला धुआं या कोई अज्ञात गैस खिड़कियों से अंदर पहुंची, जिससे यह स्थिति बनी। घटना रात लगभग 9:45 बजे की है।

नियमों की अनदेखी, बुलडोजर चलाने की तैयारी कंपनी की दो अन्य संपत्तियों को भी किया सील

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड मामले में सरकार का एक्शन

पणजी ■ एजेंसी

गोवा में एक नाइट क्लब में लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत के बाद राज्य सरकार ने 'रोमियो लेन' कंपनी के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। गोवा में इस आतिथ्य कंपनी की दो अन्य संपत्तियों को भी सील कर दिया गया है। अब बुलडोजर चलाने की तैयारी है। अधिकारियों ने बताया कि संपत्ति के प्रवर्तकों सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा की धरपकड़ के लिए

राज्य पुलिस की एक टीम रविवार को दिल्ली रवाना हुई। दोनों के खिलाफ प्राथमिकी पहले ही दर्ज की जा चुकी है। लूथरा ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, नाइट क्लब प्रबंधन इस त्रासदी पर दुखी है और पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है। दुख की इस घड़ी में हम पीड़ित परिवारों के साथ हैं। प्रबंधन पीड़ित परिवारों की मदद के लिए हरसंभव कदम उठाएगा। लूथरा कम ही गोवा में दिखाई देता है और विभिन्न कानूनी मामलों में भी वह अपनी जगह अपने प्रतिनिधियों को ही भेजता है।

महेश्वर के किसानों का हंगामा

बड़वाह-धामनोद मार्ग पर चक्काजाम

महेश्वर। महेश्वर तहसील के किसानों ने सिंचाई के लिए रात में मिल रही बिजली आपूर्ति के विरोध में सोमवार को बड़ा प्रदर्शन किया। किसानों ने अपनी मांग पूरी न होने तक बड़वाह-धामनोद मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। धरगांव के भार्गव स्थित उमिया माता गेट पर सुबह 11 बजे प्रदर्शन शुरू हुआ। इस प्रदर्शन के कारण यातायात पूरी तरह से ठप हो गया। सैकड़ों किसानों ने सड़क पर बैठकर बिजली कंपनी और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। किसानों की मांग है कि सिंचाई के लिए बिजली की आपूर्ति को तत्काल दिन में 10 घंटे किया जाए।

लोकसभा में वंदे मातरम् पर चर्चा

बंकिम दा ने वंदे मातरम के जरिए अंग्रेजों की ईंट का जवाब पत्थर से दिया: पीएम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

संसद का शीतकालीन सत्र जारी है. अब तक बीते पांच दिनों में से तीन दिन हंगामेदार रहे हैं। लोकसभा से बिलों को पास कर उन्हें राज्यसभा भेजा गया है। इस बीच एसआईआर, बीएलओ मौतों का मुद्दा, इंडिगो संकट और प्रदूषण का मुद्दा हावी रहा। अब सोमवार को संसद में वंदे मातरम् पर चर्चा हो रही है। पीएम मोदी ने संसद में वंदे मातरम् पर विशेष चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि आज हम इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बन रहे हैं, जब संसद में इसकी चर्चा चल रही है।

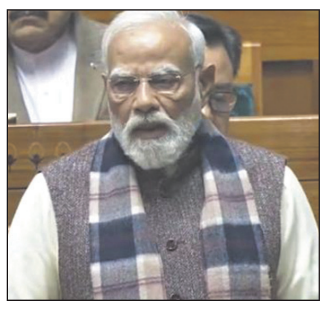

पीएम मोदी ने सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने कहा, वंदे मातरम् अंग्रेजों को करारा जवाब था, ये नारा आज भी प्रेरणा दे रहा। आजादी के समय महात्मा गांधी को भी यह पसंद था। उन्हें यह गीत नेशनल एंथन के रूप में दिखता था। पीएम ने कहा, उनके लिए इस गीत की ताकत बड़ी थी। पिछली सदी में इसके साथ इतना अन्याय क्यों हुआ।

- **यहां कोई न पक्ष, न विपक्ष, इस मंत्र ने आजादी में सबको ऊर्जा दी**
- **मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम् का बंटवारा हुआ**

वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात क्यों हुआ। वो कौन सी ताकत थी, जिसकी इच्छा कुछ पुज्य बापू की भावनाओं पर भी भारी पड़ी। उन्होंने कहा कि मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ से 15 अक्टूबर 1936 को वंदे मातरम् के खिलाफ नारा बुलंद किया। कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा। बजाय इसके कि नेहरू मुस्लिम लीग के आधारहीन बयानों को करारा जबाब देते, उसकी निंदा करते, लेकिन उल्टा हुआ। उन्होंने वंदे मातरम् की ही पड़ताल शुरू कर दी।

कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए

वंदे मातरम के टुकड़े करने का आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा, अक्तूबर में वंदे मातरम के टुकड़े किए गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति के दबाव में कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि, अक्तूबर में कोलकाता में हुए फैसले के बाद कांग्रेस पहले वंदे मातरम पर समझौता करने के लिए झुकी इसके बाद देश को बंटवारे का दंश भी झेलना पड़ा।

ये नेता बहस में लेंगे हिस्सा

सरकार की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई केंद्रीय मंत्री भी हिस्सा लेंगे। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की तरफ से पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी और लोकसभा में उपनेता प्रतिपक्ष गौरव गोगोई समेत 8 सांसद बोलेंगे। इनके अलावा अन्य दलों के सांसद अपनी बात रखेंगे।

संक्षिप्त समाचार

सड़क से गुजर रही बारात पर लोगों ने फेंका पानी

ग्वालियर। ग्वालियर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र स्थित विनय नगर सेक्टर-3 में एक बारात पर पानी फेंके जाने का मामला सामने आया है। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया है, जिसमें बारात के गुजरते समय ऊपर से बाल्टी भरकर पानी बारातियों पर फेंका गया। इस हरकत से बाराती आक्रोशित हो गए और कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। जानकारी के अनुसार बारात संगीत और डांस के साथ आगे बढ़ रही थी। तभी एक मकान की ऊपरी मंजिल से किसी व्यक्ति ने नीचे से गुजर रही बारात पर अचानक बाल्टी भरकर पानी फेंक दिया। पानी गिरते ही बाराती भड़क उठे और ऊपर की ओर देखने लगे, यह जानने की कोशिश करते रहे कि पानी किसने और क्यों फेंका है। हालांकि, मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने हस्तक्षेप कर स्थिति को शांत कराया। इसके बाद बारात बिना किसी बड़ी बाधा के अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गई।

आगरा-मुंबई हाईवे पर तेज रफ्तार वाहन ने चीते को कुचला

ग्वालियर। आगरा-मुंबई नेशनल हाईवे (शिवपुरी लिंक रोड) पर घाटीगांव सिमरिया मोड़ पर कूनो से भागे दो चीतों में से एक चीता की मौत हो गई है। जंगल से निकलकर जब सड़क पर चीता आया तो तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया। दूसरे चीते की तलाश की जा रही है। घटना रविवार सुबह 5 से 6 बजे के बीच की है। सूचना मिलते ही घाटीगांव थाना पुलिस और वन विभाग के अफसरों ने घटनास्थल को निगरानी में ले लिया है। कूनो के अफसर भी स्पॉट पर पहुंच गए हैं। चीते के शव को कूनो पहुंचाया जा रहा है, जहां एक्सपर्ट्स का पैनल पोस्टमॉर्टम करेगा। सैटेलाइट कॉलर आईडी से लगातार चीतों पर नजर रखी जा रही थी। जैसे ही सड़क हादसा हुआ अफसरों को सूचना मिल गई है। घटनास्थल पर काफी भीड़ थी, लेकिन वन विभाग के अफसरों ने पुलिस तक को पास नहीं आने दिया। पूरी कार्रवाई वन विभाग के अफसर कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार मृत चीते का नाम चत्र-4 (मादा) है। इसका जन्म कूनो नेशनल पार्क में ही हुआ था। यह गामिनी का शावक बताया जा रहा है।

इटारसी में गजपुर रेलवे ट्रैक पर युवक का मिला शव

इटारसी। रविवार सुबह इटारसी के ग्राम गजपुर के पास डाउन रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिला। यह घटना खंबा नंबर 760/26-28 के करीब सुबह 6:57 बजे सामने आई। प्राथमिक जांच में इसे रेल दुर्घटना का मामला माना जा रहा है। गुर्रा स्टेशन के पॉइंट्समैन दीपक कहार (40) ने रेल मार्ग की नियमित पेट्रोलिंग के दौरान ट्रैक के किनारे शव देखा। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना रामपुर गुर्रा पुलिस को दी। मृतक की उम्र लगभग 40 वर्ष अनुमानित है, लेकिन उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा तैयार कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 194 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार, मृतक की पहचान, ट्रैक पर पहुंचने का कारण और हादसे की परिस्थितियों की जांच जारी है। शव की पहचान सुनिश्चित करने के लिए आसपास के थानों और रेलवे विभाग को भी जानकारी भेजी गई है।

सागर में हार्ट अटैक से महिला BLO की मौत

सागर। सागर में एक महिला बीएलओ (सरकारी प्राइमरी टीचर) की इलाज के दौरान मौत हो गई। बेटे का आरोप है कि एसआईआर के काम को लेकर मां मानसिक दबाव में थीं। इसके चलते उन्हें हार्ट अटैक आया। बीएलओ लक्ष्मी जारोलिया निवारी के प्राइमरी स्कूल में टीचर थीं। करीब 10 दिन पहले उन्हें हार्ट अटैक आया, तब से वे सागर और भोपाल के प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती रहीं। रविवार को उनकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, लक्ष्मी जारोलिया चार-पांच साल से बीएलओ का काम कर रही थीं। उनके बेटे देवांशु जारोलिया ने आरोप लगाते हुए कहा कि एसआईआर सर्वे के दौरान मां पर अत्यधिक मानसिक दबाव था। उनका मोबाइल सही से नहीं चल रहा था। इस कारण उन्हें तकनीकी कामों में दिक्कत आती थी। इसके बावजूद उनसे सुबह से रात 12 बजे तक रिपोर्ट तैयार करने, फॉर्म भरने और सूचनाएं भेजने का काम कराया जाता था।

रायसेन में शीत लहर ने बढ़ाई लोगों की मुश्किलें

रायसेन। उत्तरी बर्फीली हवाओं के कारण रायसेन पिछले तीन दिनों से शीत लहर की चपेट में है। शुक्रवार और शनिवार की रात न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। रविवार-सोमवार को यह बढ़कर 8.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जबकि दिन का अधिकतम तापमान 24 से 25 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है। तेज सर्दी से बचने के लिए लोग कई उपाय कर रहे हैं।

ग्वालियर में बीएलओ-बीएलए संयुक्त रूप से करेंगे एसआईआर की समीक्षा

मतदान केन्द्र पर आज और कल रहेंगे मौजूद, जो मतदाता छूट गए उनका सत्यापन करेंगे

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में निर्वाचन आयोग की जानकारी के आधार पर मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य (एसआईआर) के तहत 98 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष कार्य भी शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जाएगा। ग्वालियर के सभी मतदान केन्द्रों पर 8 दिसंबर व 9 दिसम्बर को बीएलओ एवं बीएलए संयुक्त रूप से बैठकर किए गए कार्य की समीक्षा करेंगे। साथ ही जो मतदाता छूट गए हैं उनके सत्यापन का कार्य भी करेंगे।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रुचिका चौहान ने राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों से चर्चा कर 8 व 9 दिसम्बर को मतदान केन्द्रों को बीएलओ व बीएलए के माध्यम से की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सभी राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों से आग्रह किया है कि 8 व 9 दिसम्बर को मतदान केन्द्र पर बीएलए की उपस्थिति सुनिश्चित करें, ताकि मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण का कार्य अच्छे से किया जा सके। मतदान केन्द्रों पर दोनों दिन दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक बीएलओ एवं बीएलए उपस्थित रहकर गणना पत्रकों के संबंध में जो भी समस्याएं हैं उनका निराकरण करेंगे। इसके साथ ही जिन लोगों द्वारा अभी भी गणना पत्र जमा नहीं किए गए हैं उनसे गणना पत्र प्राप्त करेंगे।

मतदाता सूची में किसी प्रकार की कोई त्रुटि न हो, इसके लिये मतदान केन्द्रवार भी बीएलओ व बीएलए के माध्यम से प्राप्त फार्मों एवं मृतक मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो, इसके लिये दो दिवसीय कार्य किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्य में सभी जनप्रतिनिधि अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन भी करें।

किसी भी मृतक का नाम मतदाता सूची में न हो

कलेक्टर ग्वालियर रुचिका चौहान ने यह भी कहा है कि मतदान केन्द्र पर बीएलओ एवं बीएलए के माध्यम से यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि किसी भी मृतक व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में न हो। मतदान केन्द्र पर आम जन भी पहुंचकर मतदाता सूची के संबंध में जानकारी दे सकते हैं। इसके साथ ही जिन मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में एक से अधिक बार दर्ज है उनके नामों का भी सुधार किया जाएगा। मतदान केन्द्र क्षेत्र से शिफ्ट हुए मतदाताओं की जानकारी को भी सुधारने का कार्य किया जाएगा।

फार्म-6 भरकर ही सूची में जोड़ सकेंगे नाम

नए मतदाता को मतदाता सूची में जोड़ने के लिए व्यक्ति को फॉर्म-6 एवं क्षेत्र बदलने के लिये फॉर्म-8 भरकर जमा करना होगा। प्राप्त फॉर्म पर आवश्यक कार्रवाई की जा सकेगी। आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में शतप्रतिशत मतदाताओं से प्रपत्र प्राप्त कर उनके डिजिटाइजेशन का कार्य 11 दिसम्बर तक पूर्ण किया जाना है।

ब्लैकमेल कर रेप किया, धर्म बदलने दबाव डाला

दलित महिला ने बस एजेंट सलमान पर दर्ज कराई FIR, कहा- जीजा से भी कराया दुष्कर्म बेटी पर भी बुरी नजर

खंडवा ■ निसं

खंडवा में 30 वर्षीय विवाहित महिला ने बस एजेंट के खिलाफ दुष्कर्म, ब्लैकमेल और धर्मांतरण के लिए दबाव बनाने का केस दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने नाम बदलकर दोस्ती की, उसकी तस्वीरें एडिट कर अश्लील रूप में तैयार कीं और उन्हीं के आधार पर ब्लैकमेल कर कई बार दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी सलमान को गिरफ्तार कर लिया है। अनियमित धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम (लव जिहाद), दुष्कर्म और एससी-एसटी एक्ट समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया।

सोशल मीडिया से तस्वीरें लेकर एडिट की: जानकारी के अनुसार, महिला बस से अप-डाउन करती थी। इसी दौरान आरोपी ने अपना नाम संजय बताकर उससे दोस्ती की। बाद में उसने सोशल मीडिया से महिला की तस्वीरें लेकर उन्हें आपत्तिजनक रूप में एडिट किया और वायरल करने की धमकी देकर उसे प्रताड़ित करता रहा। पीड़िता के मुताबिक, वह ब्लैकमेल से बचने के लिए कई बार पैसे भी दे चुकी थी, लेकिन आरोपी लगातार दुष्कर्म करता रहा।

सलमान खान
आरोपी

पीड़िता ने आरोप लगाया कि सलमान ने फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर अपने जीजा शाहरुख से भी उसका दुष्कर्म कराया। आरोपी उस पर धर्म परिवर्तन का दबाव डालता था। महिला ने बताया कि सलमान कई बार घर में घुस जाता था और उसकी नाबालिग बेटी के साथ भी यौन शोषण की कोशिश की। यही वजह थी कि उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

आरोपी के खिलाफ कई गंभीर धाराओं में केस: सीएसपी अभिनव बारंगे के मुताबिक, सिंगोट निवासी आरोपी सलमान (पिता सलीम) को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ दुष्कर्म, धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021, तथा एससी-एसटी एक्ट की गंभीर धाराओं में केस दर्ज हुआ है। पुलिस ने बताया कि शिकायत फिलहाल केवल सलमान के खिलाफ दर्ज है।

बस में सफर के दौरान आरोपी ने लिया नंबर

पुलिस जांच में सामने आया कि महिला पहले पिपलोद में रहती थी और बस से रोज शहर आती-जाती थी। इसी दौरान सलमान, जो बस में एजेंट का काम करता था, उसने उसकी मोबाइल डिटेल हासिल कर बातचीत शुरू की और उसे टारगेट बनाया।

पैसे देकर भी नहीं छूटी जान, ढाई लाख का कर्ज

पीड़िता के पति का कहना है कि पहले वे बदनामी के डर से चुप रहे, लेकिन जब मामला बढ़ा, तब उन्हें पता चला कि आरोपी पैसे मांगता था। उन्हें आरोपी को रकम देने के लिए कर्ज लेना पड़ा। कुल मिलाकर 2.5 लाख रुपए खर्च कर देने के बाद भी आरोपी ब्लैकमेल कर रहा था।

बाघ के दांत-नाखून की तस्करी, वन विभाग टीम ने नाबालिग को पकड़ा

उमरिया ■ निसं

उमरिया जिले के रायपुर बीट वन परिक्षेत्र धमोखर में वन विभाग की टीम ने एक नाबालिग को बाघ के दांत और नाखून के अवैध व्यापार की कोशिश करते हुए पकड़ लिया। यह कार्रवाई मुखबिर से मिली गुप्त सूचना के बाद की गई, जिसके आधार पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर नाबालिग को हिरासत में लिया। मामला धमोखर रेंज के चेचारिया बीट के अंतर्गत रायपुर चौराहे का है।

जानकारी के अनुसार चेचारिया बीट के डिप्टी रेंजर उमेश वर्मा को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि एक युवक बाघ के अंगों को बेचने की फिराक में घूम रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए डिप्टी रेंजर वर्मा ने अपनी टीम के साथ तुरंत कार्रवाई की और बताए गए स्थान पर दबिश दी।

मौके पर टीम को एक संदिग्ध लड़का मिला, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से बाघ का एक दांत और एक नाखून बरामद हुआ। बरामद सामग्री की प्रकृति को देखते हुए टीम ने मौके पर ही दस्तावेजों की जांच की। आधार कार्ड की जांच के दौरान यह सामने आया कि पकड़ा गया आरोपी नाबालिग है। नाबालिग पाए जाने के बाद वन विभाग ने प्रक्रिया के अनुसार धमोखर रेंज के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद अधिकारी मौके पर पहुंचे और आरोपी बालक को सुपुर्द लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। वन विभाग मामले की तहकीकात कर रहा है कि नाबालिग के पास यह अवैध वन्यजीव अंग कैसे पहुंचे और क्या इसके पीछे कोई बड़ा गिरोह सक्रिय है।

उमरिया में बाघ के अंगों की तस्करी की कोशिश नाकाम, नाबालिग हिरासत में।

वन विभाग का मानना है कि बाघ के दांत और नाखून की तस्करी एक गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों में अक्सर संगठित तस्कर मासूम या कमजोर पृष्ठभूमि के किशोरों को इस्तेमाल करते हैं। विभाग इस पहलू की भी जांच कर रहा है कि नाबालिग को किसने यह सामग्री दी थी और वह इसे कहां बेचने वाला था। धमोखर रेंज की टीम का कहना है कि इलाके में वन्यजीव अपराध को रोकने के लिए लगातार निगरानी बढ़ाई गई है। मुखबिर नेटवर्क को भी मजबूत किया गया है, ताकि ऐसे मामलों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

जबलपुर में चाइनीज फूड ठेले वाले की सरेराह हत्या

जमानत पर छूटकर आया आरोपी; तब तक चाकू मारता रहा जब तक मोनू की मौत नहीं हुई

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर के शक्ति नगर में सोमवार देर रात चाइनीज फूड ठेले संचालक मोनू चक्रवर्ती (40) की चार बदमाशों ने सरेराह चाकू मारकर हत्या कर दी। वारदात उस समय हुई जब मोनू अपने कर्मचारी के साथ दुकान बंद कर रहा था। ठीक उसी दौरान आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की और फिर मोनू को घेरकर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल मोनू को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चारों आरोपी मौके से फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश में जुटी है।

चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला: घटना रात करीब 12 से 1 बजे के बीच की है। इंद्रा नगर निवासी मोनू चक्रवर्ती शक्ति नगर चौपाटी पर चाइनीज फूड का ठेला लगाता था। दुकान बंद करते समय अमन चक्रवर्ती अपने साथियों- रोहित झारिया, ताशू यादव और नंदू तिवारी के साथ वहां पहुंचा।

चारों ने मोनू से विवाद करते हुए गाली-गलौज की और चाकू निकालकर हमला शुरू कर दिया। कर्मचारी के मुताबिक आरोपी तब तक वार करते रहे, जब तक कि मोनू की मौत नहीं हो गई। वारदात को अंजाम देकर चारों बदमाश बाइक से फरार हो गए।

5 दिन पुराना विवाद बना वजह: घटना से पांच दिन पहले आरोपी अमन चक्रवर्ती का मोनू से झगड़ा हुआ था। उसी दौरान अमन ने दुकान में तोड़फोड़ भी की थी। जब मोनू ने उससे हर्जाना मांगा, तो अमन ने धमकी दी और वहां से भाग गया था।

पुलिस जांच में सामने आया है कि इसी पुराने विवाद को लेकर अमन अपने तीन साथियों के साथ देर रात हत्या करने पहुंचा। अमन हाल ही में जेल से छूटकर आया था।

कर्मचारी हमला होते देख छिप गया: हमले के दौरान मोनू का कर्मचारी गोलू केवट घबरा गया और दुकान के अंदर छिप गया। जब आरोपियों के जाने के बाद वह बाहर निकला, तो तुरंत मोनू के परिजनों को सूचना दी। मोनू को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। गोलू ने पुलिस को बताया कि चारों आरोपी गुप्तेश्वर और सेठी नगर इलाके के रहने वाले हैं और बाइक पर ह्यआए थे।

पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर बनाई टीमें

घटना की सूचना मिलते ही ष्टस्क्कआशीष जैन और गढ़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने चारों बदमाशों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। CSP जैन ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमें तैनात की गई हैं। जल्द ही चारों की गिरफ्तारी की जाएगी।

नर्मदा-तवा नदी किनारे खेत में मिली मानव खोपड़ी

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम के ग्राम मगरिया में नर्मदा और तवा नदी किनारे स्थित एक खेत में मानव खोपड़ी मिलने से सनसनी फैल गई। खेत मालिक सालिकराम तिवारी ने सोमवार सुबह 7 बजे सिंचाई के दौरान इसे देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची माखननगर पुलिस ने धड़ तलाशने के लिए करीब एक किमी के दायरे में सर्चिंग की, लेकिन शरीर का बाकी हिस्सा नहीं मिला। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। सूचना मिलते ही माखननगर थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके और एसआई अशोक बरबड़े पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एफएसएल अधिकारी ऋषिकेश यादव को भी मौके पर बुलाया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि खोपड़ी काफी पुरानी है और कंकाल बन चुकी है, हालांकि उससे अभी भी बदबू आ रही थी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि खोपड़ी पुरुष की है या महिला की। इसकी पहचान और विस्तृत जांच के लिए इसे गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल भेजा जाएगा।

दंपती से प्रताड़ित व्यक्ति ने जहर खाकर दी जान, सोशल मीडिया पर छोड़ी भावुक स्टोरी

विदिशा ■ निसं

विदिशा जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति किराज सिंह कटारिया ने आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि युवक ने जहर खाने से पहले अपनी पूरी पीड़ा फेसबुक और इंस्टाग्राम पर स्टोरी के रूप में लगाई थी। मृतक ने अपने अंतिम संदेश में लिखा कि बराई पुरा निवासी संगीता विश्वकर्मा और उसका पति मुकेश विश्वकर्मा उसे प्रेमजाल में फंसाकर लंबे समय से पैसों की मांग कर रहे थे। दंपती अब तक उससे करीब डेढ़ से दो लाख रुपये ले चुके थे।

लगातार दबाव और प्रताड़ना से टूटकर युवक ने आखिरकार जहर खा लिया। पीड़ित को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया, जहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन देर रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के परिचित प्रवेश शर्मा ने बताया कि किराज ने सल्फास

खाया था और उन्हें घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

वहीं, मामले पर सीएसपी अतुल सिंह का कहना है कि महिला का नाम सामने आया है और युवक ने प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर सबूत भी छोड़े हैं। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। युवक द्वारा सोशल मीडिया पर लिखे अंतिम शब्दों में यह भी अपील की गई कि आरोपी दंपती को कठोर सजा मिले, ताकि वे किसी और को इस तरह परेशान न कर सकें।

शादी से मना किया तो दोस्त ने की मारपीट

इंदौर में आरोपी युवती के फ्लैट में जबरन घुसा; छत से फेंकने की कोशिश, केस दर्ज

इंदौर ■ निसं

इंदौर की तिलक नगर पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर उसके दोस्त के खिलाफ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि युवक देर रात जबरन उसके फ्लैट में घुसा और विवाद के दौरान उसे छत से नीचे फेंकने की कोशिश की। तिलक नगर पुलिस के अनुसार, दीपकुंज अपार्टमेंट में रहने वाली 28 वर्षीय युवती ने रविवार को अर्नोश पुत्र जाल कपाड़िया, निवासी कालीदास शिवालिक कॉलोनी, बिचौली मर्दाना, के खिलाफ

शिकायत दर्ज कराई। युवती निजी कंपनी में नौकरी करती है और करीब तीन महीने से आरोपी को जानती थी। दोनों के बीच समय-समय पर मुलाकात होती रहती थी।

युवती ने बताया कि कुछ दिन पहले अर्नोश ने उससे शादी की बात की थी, लेकिन उसके व्यवहार में बदलाव देखकर उसने इनकार कर दिया। इससे नाराज होकर आरोपी शनिवार-रविवार की दरमियानी रात युवती के फ्लैट पर पहुंच गया। वहां उसने गाली-गलौज की और युवती के साथ बुरी तरह मारपीट की। आरोपी उसे छत पर ले गया और ऊपर से फेंकने की कोशिश की। विरोध करने पर युवती के हाथ व चेहरे पर चोटें आईं।

युवती की चीखें सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उसे बाहर निकाला। जाते समय अर्नोश ने युवती और बिल्डिंग के लोगों को जान से मारने की धमकी भी दी।

नर्मदापुरम में इलाज के नाम पर धर्मांतरण की आशंका

आर्थिक लालच देकर मत परिवर्तन के आरोप, उग्र आंदोलन की चेतावनी

नर्मदापुरम ■ निसं

नर्मदापुरम जिले के ग्राम जमुनिया में रविवार को रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक मकान में प्रार्थना के लिए जुटे आदिवासी ग्रामीणों को लेकर विवाद खड़ा हो गया। जानकारी के अनुसार, आदिवासी महिला-पुरुष शैतान बाधा दूर कराने और बीमारियों का इलाज करवाने के लिए यहां पहुंचे थे, जहां क्रिश्चियन समुदाय से जुड़े एक व्यक्ति द्वारा विशेष प्रार्थना कराई जा रही थी।

इसी दौरान विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और धर्मांतरण की आशंका व्यक्त करते हुए प्रार्थना पर आपत्ति दर्ज कराई। विहिप पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि आदिवासी समुदाय के लोगों को इलाज और चमत्कार के नाम पर धर्म परिवर्तन की ओर ले जाने का प्रयास किया जा रहा है।

विहिप पदाधिकारियों द्वारा बनाए गए वीडियो में एक महिला झूमती हुई दिखाई दी, जबकि दूसरी महिला ने कहा कि उसके शरीर पर 'शैतान का असर' हो रहा है। गांव के कई लोग प्रार्थना कराने वाले व्यक्ति के पास बीमारी दूर करने की उम्मीद में पहुंचे थे।

विहिप ने पुलिस चौकी में शिकायत की: विहिप और बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने सेमरी हरचंद पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि ग्राम जमुनिया में पाश्चर भागचन्द्र राज अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों को आर्थिक लालच और चमत्कारिक उपचार के दावा कर धर्मांतरण की दिशा में प्रेरित कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह मध्यप्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 2021 का संभावित उल्लंघन हो सकता है।

संगठनों ने निष्पक्ष जांच और वैधानिक कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। सोहागपुर थाना प्रभारी ऊषा मरावी ने बताया कि विहिप और बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपा है और पूरी घटना की जांच कराई जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय जनमंगल महोत्सव 12 दिसंबर को दिल्ली में

इस युग के महावीर अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज के संरक्षण में अदभुत संत समागम

लोकसभा अध्यक्ष से लेकर बाबा रामदेव, पं. धीरेन्द्र शास्त्री सहित तमाम हस्तियां होंगी शामिल

अंतर्मना आचार्य 108 श्री प्रसन्नसागर जी महाराज

योगार्णव, संत प्रवर बाबा रामदेव

पं. धीरेन्द्र शास्त्री

राकेश अग्रवाल की विशेष रपट

भोपाल। 'हर मास एक उपवास' पर आधारित अंतर्मना धार्मिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट तथा पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के संयुक्त तत्वाधान में भारत मंडपम, नई दिल्ली में द्विदिवसीय 12 - 13 दिसंबर को विश्वस्तरीय **जनमंगल महोत्सव** का भव्य और एतिहासिक आयोजन होने जा रहा है। यह अद्भुत महोत्सव तपस्वी सम्राट, साधना महोदधी, अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के सानिध्य एवं संरक्षण में किया जा रहा है। जिसमें विशेष रूप से विश्व विख्यात योग ऋषि बाबा रामदेव भी अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। यह कार्यक्रम बनेगा आध्यात्मिक अनुभूतियों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अद्भुत संगम।

कार्यक्रम को दो हिस्सों में विभाजित किया गया है। पहले दिन 12 दिसंबर को कार्यक्रम का शुभारंभ इस युग के महावीर महामुनि प्रसन्न सागर जी महाराज तथा बाबा रामदेव के सानिध्य में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला जी के आतिथ्य में होगा जिसमें केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भूपेंद्र यादव, दिल्ली सीएम श्रीमती रेखा गुप्ता सहित तमाम अन्य संत और सिद्ध विभूतियां विशिष्ट अतिथियों के रूप में शामिल रहेंगे। दूसरे दिन योग और प्राणायाम पर विशेष विमर्श होगा।

हर मास एक उपवास के महत्व पर होंगे अंतर्मना के प्रवचन: तपाचार्य अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज ने सबसे कठिन उत्कृष्ट सिंह निष्क्रीडित व्रत सम्पन्न कर इतिहास रच दिया हैं। उन्होंने ये घनघोर तपस्या जनकल्याण के लिए की है। गौरतलब है कि अंतर्मना ने उत्कृष्ट सिंह निष्क्रीड़ित व्रत 557 दिन की अखण्ड मौन व्रत साधना की है जिसमें 496 उपवास और मात्र 61 पारणाएँ शामिल हैं।

सिंह निष्क्रीड़ित व्रत का फल: इस व्रत के फलस्वरूप मनुष्य वज्र वृषभ नाराच संहनन का धारक, अनन्तवीर्य से सम्पन्न, सिंह के समान निर्भय और अणिमा आदि गुणों से युक्त होता हुआ शीघ्र ही सिद्ध हो जाता है। भगवान महावीर के जीव 'नन्दन' मुनिराज के भव में कनकावली, रत्नावली, मुक्तावली और सिंह निष्क्रीड़ित आदि अनेकों व्रतों का अनुष्ठान किया था।

उसी प्रकार भगवान के नेमिनाथ के जीव ने भी तीर्थंकर से तृतीय भव पूर्व 'सुप्रतिष्ठ' मुनिराज की अवस्था में इन कनकावली आदि अनेकों व्रतों का अनुष्ठान किया था और आज तक बहुत से महापुरुष इन व्रतों का अनुष्ठान करते रहे हैं।

भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण के 2600 वर्षों के बाद सम्मेदशिखर जी की स्वर्णभद्र कूट की पावन भूमि पर 557 दिन की सिंहनिष्क्रीड़ित व्रत की कठोरतम अखण्ड मौन एकान्तवास की महासाधना करने वाले अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज के सानिध्य में व्रत के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला जाएगा। जनमंगल महोत्सव का केन्द्रीय विषय भी इसलिए हर मास एक उपवास रखा गया है ताकि उपवास का हमारे भौतिक आध्यात्मिक जीवन पर जो प्रभाव पड़ता है उस पर गहराई से चिंतन हो, जिसका लाभ सभी को मिले।

12 दिसंबर को तप साधना एवं उपवास पर विभिन्न सत्र

12 दिसंबर को उद्घाटन के साथ ही पूरे दिन के कार्यक्रम को विभिन्न सत्रों में विभाजित किया गया है। जनमंगल की समयग्दृष्टि : स्वदेशी चिंतन, योग, ध्यान और उपवास पर आधारित इस विशेष कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों के माध्यम से तप साधना और उपवास जैसे विषयों में विभाजित किया गया है। इन सत्रों में अंतर्मना के आशीर्वाद के साथ-साथ तमाम साधक अपने अनुभव भी साझा करेंगे।

13 दिसंबर को योग एवं प्राणायाम पर विशेष सत्र

दो दिवसीय आयोजन में 13 दिसंबर को योग एवं प्राणायाम पर आधारित विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे। जिसमें योग संबंधी क्रिया तथा योग से होने वाले विभिन्न शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभ पर चर्चा की जाएगी। इसके साथ-साथ प्राणायाम क्रिया से जीवन में क्या परिवर्तन आते हैं, इस पर विशेष तौर पर चर्चा की जाएगी। इन सत्रों में भी देश और विदेश से आए विभिन्न साधक और विशेषज्ञ अपने विचार व्यक्त करेंगे।

विभिन्न क्षेत्रों की श्रेष्ठ विभूतियां होगी महोत्सव में सम्मिलित

दो दिवसीय जनमंगल महोत्सव में आध्यात्मिक योग और राजनीतिक क्षेत्र की विभिन्न विभूतियों के सम्मिलित होने का समाचार है इस दो दिवसीय कार्यक्रम में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के साथ-साथ मुनि श्री पीयूष सागर महाराज , बाबा बागेश्वर प.धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, बाबा बालक राम, पतंजलि योगपीठ के आचार्य बालकृष्ण, पूज्य ज्ञानानंद जी महाराज, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, भूपेंद्र यादव दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, प्रवेश वर्मा, सांसद बांसुरी स्वराज, सुधांशु त्रिवेदी, जाने-माने पत्रकार रजत शर्मा, बाबा सत्यनारायण मौर्य आदि सम्मिलित होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष बालाघाट में 10 इनामी नक्सलियों ने किया समर्पण

सतत निगरानी, सघन जांच और कार्रवाई से तेज़ी से घटा है नक्सली दायरा : मुख्यमंत्री

- **जो कानून की राह अपनाते हैं, उनके पुनर्वास की चिंता सरकार करेगी**
- **जनवरी 2026 तक लाल सलाम को आखरी सलाम**
- **आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों को प्रदान की संविधान की प्रति**
- **मुख्यमंत्री ने की पुलिस अधिकारियों ओर जवानों की हौसला अफजाई**

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नक्सलवाद के सफ़ाये की दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष बालाघाट में रविवार को 10 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया, जिनमें 4 महिला नक्सली भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें संविधान की प्रति प्रदान कर मुख्यधारा से जोड़ा। आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों ने अपने हथियार मुख्यमंत्री को सौंपे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सरकार जनवरी 2026 तक मध्यप्रदेश को नक्सल मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एक भी व्यक्ति को हथियार उठाने की अनुमति नहीं है। मुख्यमंत्री ने नक्सलियों से आह्वान किया कि वे सरकार की पुनर्वास नीति अपनाएं। सरकार उनके जीवन को सुरक्षित करने, विकास सुनिश्चित करने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों और जवानों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि एंटी नक्सल अभियान को लगातार सशक्त और सुदृढ़ किया जा रहा है। प्रदेश में 15 नवीन अस्थायी कैंप और विशेष सहयोगी दस्ता के 882 पद स्वीकृत किए गए हैं। सतत निगरानी, सघन जांच और कार्रवाइयों से प्रदेश में नक्सली दायरा तेज़ी से घटा है। उन्होंने कहा कि पुनर्वास के लिए नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पिछले वर्ष 46 एकल सुविधा केंद्र खोले गए। इन केंद्रों के माध्यम से रोजगार, वन अधिकार पत्र और अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीद आशीष शर्मा की वीरता को नमन करते हुए कहा कि कर्तव्यपथ में उत्कृष्टता से कार्य करने वाले 328 हॉक फोर्स सहित पुलिस अधिकारियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया गया है। उन्होंने कहा कि जो कानून की राह अपनाते हैं, उनकी पुनर्वास की चिंता सरकार की है।

डीजीपी कैलाश मकवाना ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में एंटी नक्सल अभियान को सशक्त किया गया है। नए कैंप स्थापित किए गए हैं, हॉक फोर्स और पुलिस बल में वृद्धि की गई है। साथ ही अधिकारियों और जवानों को सतत प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इन कार्रवाइयों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी नक्सल समर्पण लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रोजगार और स्किल डेवलपमेंट के प्रयासों से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के युवाओं और नागरिकों को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

मध्यप्रदेश पुलिस निर्धारित समय-सीमा में नक्सल मुक्ति के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा और बालाघाट के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और जवान उपस्थित रहे।

जीरो वेस्ट इवेंट के प्रयास को भोपाल ने अपनी आदत में किया शामिल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

नगर निगम, भोपाल द्वारा शहर में आयोजित होने वाले बड़े आयोजनों को जीरो वेस्ट इवेंट बनाने हेतु निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में निगम अमले ने पूर्व में आयोजित बड़े-बड़े आयोजनों की तरह एक बार फिर कर्तव्य परायणता की मिसाल पेश करते हुए रविवार को आयोजित रन भोपाल रन को भी जीरो वेस्ट इवेंट बनाया और आयोजन स्थल व दौड़ के मार्गों से विभिन्न प्रकार के गीले-सूखे कचरे को पृथक-पृथक एकत्रकर निष्पादन स्थल तक पहुंचाने की कार्यवाही की। निगम के यह प्रयास अब शहर की आदत बनते जा रहे हैं। बड़े आयोजनों के समय व निगम की नियमित कार्यवाही के दौरान कचरा पृथक्कीकरण व एकत्रीकरण कार्य की निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन द्वारा स्वयं मॉनीटरिंग भी की जा रही है।

निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन द्वारा बड़े आयोजनों के समय आयोजन स्थलों व अन्य स्थानों से गीले-सूखे व अन्य प्रकार के कचरे को एकत्रकर स्थल पर ही पृथक्कीकृत कर निष्पादन स्थल पहुंचाने संबंधी निर्देशों के परिपालन में निगम के अमले ने रविवार को प्रात: आयोजित रन भोपाल रन के आयोजन स्थलों एवं मार्गों पर तत्काल साफ-सफाई की और सूखे कचरे को एमआरएफ और गीले कचरे को खाद बनाने हेतु तथा फलों के छिलके आदि को गौशाला भेजने की कार्यवाही की। निगम अमले ने इस दौरान 150 किलोग्राम केले के छिलके, 15 किलो दलिया स्प्राउट्स, 50 किलो फॉयल पेपर, 10 किलो लकड़ी की चम्मच, 20 किलो टेट्रा पैक, 50 किलो कागज के पुट्ठे, 25 किलो कागज के गिलास, कपड़े के थैले, 4 किलो पेट प्लास्टिक बॉटल आदि एकत्रकर निष्पादन स्थलों पर पहुंचाया।

भोपाल मंडल ने आठ माह में माल यातायात से 470.8 करोड़ का राजस्व किया अर्जित

भोपाल ■ अमृत दर्शन

पश्चिम मध्य रेल भोपाल मण्डल के माल यातायात में निरंतर वृद्धि हो रही है। डीआरएम श्री पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया और सीनियर डीओएम श्री रोहित मालवीय के नेतृत्व में बेहतर प्रदर्शन करते हुए भोपाल मंडल ने चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से नवम्बर तक यानि आठ माह में 4.12 मिलियन टन माल यातायात से 470.8 करोड़ रूपये ऑरिजनेटिंग राजस्व अर्जित किया।

अकेले नवम्बर माह की बात करे तो मंडल ने 11,811 मालगाड़ी वैगनों से 0.65 मिलियन टन माल यातायात से 75 करोड़ 76 लाख रूपये ऑरिजनेटिंग राजस्व अर्जित किया।

पश्चिम मध्य रेल भोपाल मंडल द्वारा माल यातायात की उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है और आगे भी जारी रखेगा।

---

3 दिन पहले जेल से बाहर आए बदमाश ने युवक पर किया जानलेवा हमला

भोपाल ■ अमृत दर्शन

पुराने शहर के टीला जमालपुरा थाना इलाके मे निगरानी बदमाश ने जेल से छूटने के बाद एक युवक पर धारदार हथियार से क़ातिलाना हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। बताया गया है कि आरोपी अभिषेक यादव और कुणाल यादव ने फरियादी अमित नरवरिया के साथ पुरानी रंजिश को लेकर वारदात को अंजाम दिया है। जानकारी के मुताबिक पिछले दिनों गौतम नगर इलाके मे गाड़ियों मे तोड़फोड़ के आरोप मे बदमाश अभिषेक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इस मामले में बदमाशों ने घायल अमित का नाम भी गाड़ियों के तोड़फोड़ के मामले में लिया था। इस मामले में आरोपी तीन दिन पहले ही ज़मानत पर बाहर आया था। मामले मे घायल अमित जेल गया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया।

फर्नीचर की दुकान में लगी आग, लाखों का माल जला

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी के छोला मंदिर थाना इलाके में बीती रात उस समय हड़कंप मच गया जब एक फर्नीचर की दुकान में अचानक आग लग गई। जानकारी के मुताबिक खेजड़ा में स्थित फर्नीचर की दुकान को तेजी से फैलती आग ने देखते ही देखते पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया।

गनीमत रही कि यहां मौजूद कर्मचारियों ने सही समय पर दुकान से बाहर कूद कर अपनी जान बचा ली, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया लेकिन तब तक करीब 10 लाख का माल जल कर राख हो चुका था। बताया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और दुकान में सारा लकड़ी का सामान होने के कारण तेजी से भड़क गई।

हुज़ूर विधानसभा में शत-प्रतिशत पूरा हुआ एसआईआर का कार्य

भोपाल ■ अमृत दर्शन

हुजूर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 155 में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन का कार्य तय समय से पूर्व पूरा करने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने एसडीएम विनोद सोनकिया सहित संपूर्ण एसआईआर कार्य टीम को सम्मानित किया। कलेक्टर कार्यालय के सभागार में आयोजित समारोह में सभी बीएलओ, सुपरवाइजर और संबंधित अधिकारियों सम्मान-पत्र एवं शील्ड प्रदान की गई। 37,164 मतदाताओं के गणना को पत्रक वितरण और फॉर्म डिजिटाइजेशन का कार्य एक माह में पूरा किया गया, जिसे निर्वाचन तैयारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया गया। कार्य की सराहना करते हुए कलेक्टर सिंह ने समस्त टीम को तत्काल सम्मानित करने के लिए कहा। इसके बाद तुरंत ही तैयारी कर कुछ घंटे में ही कार्यक्रम आयोजित कर बीएलओ की मेहनत को पुरस्कृत किया। शेष बचे राजस्व विभाग एवं सचिव रोजगार सहायको को भी जल्द कार्यक्रम आयोजित कर सम्मान समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा।

अनमोल वचन

खुशी केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्राप्त होती है जो कि दूसरों को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते है।
अज्ञात

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है।
एलेअनोर रूज़वेल्ट

सम्पादकीय

धार्मिक ध्रुवीकरण की युद्ध भूमि बना पश्चिम बंगाल

राजनीति में धर्म का इस्तेमाल किस तरह किया जा सकता है, इसकी विशेषज्ञता संघ और भाजपा के अतिरिक्त अन्य किसी के पास नहीं है। पश्चिम बंगाल में कुछ माह पश्चात विधानसभा चुनाव होने हैं। उसके लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी ने वर्षों पहले से तैयारी शुरू कर दी थी। इसका उदाहरण है, वंदे मातरम की 150 वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंदे मातरम को विवादित बनाया। वंदे मातरम के माध्यम से हिंदुओं के बीच में ध्रुवीकरण पैदा कर दिया। वंदे मातरम को लेकर सारे देश में एक नई बहस शुरू हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इतिहास को अपने ढंग से प्रस्तुत कर भारत विभाजन का ठीकरा कांग्रेस के स्वतंत्रता सेनानियों के सिर पर फोड़ दिया। 1947 में वंदे मातरम के एक हिस्से को अलग करके विभाजन के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहरा दिया। इसके बाद मुर्शिदाबाद से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ चुके हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के निर्माण का ऐलान 6 दिसंबर को कर दिया। वह टीएमसी में आ गए थे, जिसके कारण भाजपा को विवाद का विषय बनाने का कारण बना। टीएमसी ने हुमायूं कबीर को पार्टी से निष्कासित कर दिया है, लेकिन अब यह मामला बड़ा तूल पकड़ता जा रहा है। पिछले एक सप्ताह से गोदी मीडिया के सभी चैनल इसे हवा दे रहे हैं। 6 दिसंबर को टीवी चैनलों द्वारा विशेष कार्यक्रम बनाकर मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के शिलान्यास कार्यक्रम को दिखाया गया है। पश्चिम बंगाल में धार्मिक ध्रुवीकरण पैदा करने की कोशिश की गई है। उसको देखते हुए आसानी से समझा जा सकता है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव किस तरह से लड़ा जाएगा। तीसरा मामला कोलकाता में सनातन संस्कृति द्वारा गीता पाठ का आयोजन करना है। इसमें लाखों लोगों को आमंत्रित किया गया। बाबा रामदेव और धीरेंद्र शास्त्री जैसे तथाकथित बाबा गीता पाठ के इस आयोजन में शामिल होने के लिए कोलकाता पहुंचे। चुनाव किस तरह से लड़ा जाता है, किस तरह से चुनाव जीता जाता है। किस तरह धार्मिक ध्रुव्रीकरण के माध्यम से मतदाताओं को लामबंद किया जा सकता है, इसको बीजेपी और संघ से बेहतर कोई नहीं जानता है। जिस पश्चिम बंगाल में भाजपा को पैर रखने को जगह नहीं मिल रही थी, उसी पश्चिम बंगाल में पिछले एक दशक में जिस तरह से भाजपा ने अपने पैर जमाए हैं उससे समझा जा सकता है, कि किस तरह धार्मिक धुर्वीकरण की राजनीति कर सत्ता के सिंहासन तक पहुंचा जा सकता है। पश्चिम बंगाल में चुनाव के पहले जिस तरह का नेरेटिव भारतीय जनता पार्टी ने सेट कर दिया है, उसके बाद यह माना जाने लगा है, जिस तरह से बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं को 10,000 रुपये देकर एक नेरेटिव सेट कर दिया था। इस नेरेटिव के आधार पर विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर भाजपा उभरी है। बिहार विधानसभा के चुनाव परिणाम सभी के लिए आश्चर्य चकित करने वाले रहे हैं। वही आश्चर्य अब पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में देखने को मिलेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है। जिस तरह से चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में एसआईआर करा रहा है। चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट का संरक्षण प्राप्त है। ऐसी स्थिति में बिहार के विधानसभा चुनाव जैसे परिणाम पश्चिम बंगाल में आते हैं तो किसी को भी आश्चर्य नहीं होना चाहिए। संघ और भारतीय जनता पार्टी चुनाव जीतने के लिए वर्षों पहले से योजना तैयार करती है। उसके लिए बाकायदा मेहनत करती है। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने हिंदुओं को टीएमसी से अलग करने में काफी हद तक सफलता प्राप्त कर ली है। मुसलमान वोट बैंक को भाजपा विभाजित नहीं कर पा रही थी। भाजपा ने हुमायूं कबीर के रूप में पश्चिम बंगाल का मुसलमान बाबरी मस्जिद की आड़ में खड़ा कर दिया है। जो पश्चिम बंगाल में टीएमसी से मुसलमानो की दूरियां बढ़ाने के लिए काम करेगा। जिस तरह से एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी दक्षिण और उत्तर भारत के राज्यों में मुसलमान वोटों को विभाजित करने का काम करते हैं, इसका फायदा भाजपा को होता है। ओवैसी की तरह यह काम पश्चिम बंगाल में अब हुमायूं कबीर करेंगे। चुनाव के पहले भाजपा और संघ ने विभाजन की बिसात बिछा दी है। चुनाव आयोग और न्यायपालिका का संतुलन भाजपा के पक्ष में है। ऐसी स्थिति में जो परिणाम पश्चिम बंगाल में भाजपा चाहती है, वह मिलना तय माना जा रहा है। गीता पाठ, वंदे मातरम को लेकर हिंदुओं की बड़ी आबादी को भाजपा ने प्रभावित करने की जो रणनीति अपनाई है, उसकी कोई काट टीएमसी और कांग्रेस के पास नहीं है। मुसलमानो के बीच बाबरी मस्जिद की शहादत को लेकर भावात्मक लहर से मुस्लिम मतदाताओं के बीच जो बंटवारा कराना था, उसका नॉरेटिव भी भाजपा ने सेट कर दिया है। अब जो कुछ करना है, वह पश्चिम बंगाल के भाजपा नेताओं और चुनाव आयोग को करना है। एसआईआर हो रही है। मतदाता सूची फरवरी के बाद आएगी। चुनाव के कुछ दिन पहले मतदाता सूची चुनाव आयोग द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। उसके बाद समय ही नहीं रहता है, जो नाम काटे और जोड़े गए हैं, उनमें कोई सुधार कराया जा सके। चुनाव के बाद जो जीता वही सिकंदर, उसके बाद हारने वाले कोर्ट में चक्कर लगाते रहें। पूरा कार्यकाल बीत जाएगा, न्याय नहीं मिलेगा। यही महाराष्ट्र में हुआ, हरियाणा भी इससे अछूता नहीं रहा है। राहुल गांधी सप्रमाण चिल्लाते फिर रहे हैं। चुनाव आयोग कोई जवाब ही नहीं दे रहा है। 45 दिन के अंदर चुनाव याचिका लेकर जो लोग हरियाणा हाईकोर्ट गए, वह सुनवाई के लिए चक्कर पर चक्कर लगा रहे हैं। ऐसे ही समय बीत जाएगा। वर्तमान में पश्चिम बंगाल की स्थिति को देखते हुए, एक बात तो कहनी पड़ेगी। चुनाव जीतना और चुनाव की कार्य योजना बनाना संघ और भाजपा से बेहतर कोई नहीं जानता है। भाजपा जिस तरह से चुनाव लड़ती है, उस तरह का चुनाव लड़ना भारत के किसी भी राजनीतिक दल को नहीं आता है।

चिंतन-मनन

ईश्वर का दोस्त

एक संत ने एक रात स्वप्न देखा कि उनके पास एक देवदूत आया है। देवदूत के हाथ में एक सूची थी। उसने कहा, यह उन लोगों की सूची है, जो प्रभु से प्रेम करते हैं। संत ने कहा, मैं भी प्रभु से प्रेम करता हूं। मेरा नाम तो इसमें अवश्य होगा। देवदूत बोला, नहीं, इसमें आप का नाम नहीं है। संत उदास हो गए। फिर उन्होंने पूछा, इसमें मेरा नाम क्यों नहीं है? मैं ईश्वर से ही प्रेम नहीं करता बल्कि गरीबों से भी प्रेम करता हूं। मैं अपना अधिकतर समय निर्धनों की सेवा में लगाता हूं। उसके बाद जो समय बचता है उसमें प्रभु का स्मरण करता हूं। तभी संत की आंख खुल गई। दिन में वह स्वप्न को याद कर उदास थे। एक शिष्य ने उदासी का कारण पूछा तो संत ने स्वप्न की बात बताई और कहा, लगता है सेवा करने में कहीं कोई कमी रह गई है। दूसरे दिन संत ने फिर वही स्वप्न देखा। वही देवदूत फिर उनके सामने खड़ा था। इस बार भी उसके हाथ में कागज था। संत ने बेरुखी से कहा, अब क्यों आए हो मेरे पास? मुझे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए। देवदूत ने कहा, आपको प्रभु से कुछ नहीं चाहिए, लेकिन प्रभु का तो आप पर भरोसा है। इस बार मेरे हाथ में दूसरी सूची है। संत ने कहा, तुम उनके पास जाओ जिनके नाम इस सूची में हैं। मेरे पास क्यों आए हो देवदूत बोला, इस सूची में आप का नाम सबसे ऊपर है। यह सुन कर संत को आश्चर्य हुआ। बोले, क्या यह भी ईश्वर से प्रेम करने वालों की सूची है। देवदूत ने कहा, नहीं, यह वह सूची है जिन्हें प्रभु प्रेम करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने वाले तो बहुत हैं, लेकिन प्रभु उसको प्रेम करते हैं जो गरीबों से प्रेम करते हैं। प्रभु उसको प्रेम नहीं करते जो दिन रात कुछ पाने के लिए प्रभु का गुणगान करते रहते हैं।

एयरपोर्ट पर बढ़ती जब्तियाँ, ड्रग्स पर कड़ी चोट और निवेश के नए संकेत

कांतिलाल मांडोत

देश की सीमाओं पर निगरानी व्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है और इसका प्रमाण हाल ही में लोकसभा में साझा किए गए वे आंकड़े हैं, जिनमें हवाई अड्डों पर बढ़ती जब्तियों, ड्रग्स पर निर्णायक कार्रवाई, वित्तीय निवेश के रुझानों और डिजिटल सुरक्षा उपायों का विस्तृत विवरण सामने आया।

देश की सीमाओं पर निगरानी व्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है और इसका प्रमाण हाल ही में लोकसभा में साझा किए गए वे आंकड़े हैं, जिनमें हवाई अड्डों पर बढ़ती जब्तियों, ड्रग्स पर निर्णायक कार्रवाई, वित्तीय निवेश के रुझानों और डिजिटल सुरक्षा उपायों का विस्तृत विवरण सामने आया। संसद में पेश किए गए नवीनतम आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 के दौरान केवल पहले छह महीनों में ही हवाई अड्डों पर 461 मामलों में 260 किलोग्राम सोना जब्त किया गया। तस्करी की इस बढ़ती प्रवृत्ति को देखते हुए केंद्र सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया है कि हवाई अड्डों की सुरक्षा, सीमा शुल्क की सतर्कता और तकनीकी निगरानी को और अधिक उन्नत बनाया जाएगा, ताकि संगठित तस्करी पर पूरी तरह लगाम लग सके। सोने की जब्ती के साथ-साथ मादक पदार्थों की तस्करी से मुकाबले में भी डीआरआई ने वर्ष 2025 में अभूतपूर्व सफलता हासिल की। वित्तवर्ष 2025 के दौरान राजस्व खुफिया निदेशालय ने 3029 किलोग्राम नारकोटिक्स जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत 3365 करोड़ रुपये से अधिक है। यह आँकड़ा पिछले पूरे वर्ष की तुलना में काफी अधिक है, क्योंकि 2024 में जब्त किए गए ड्रग्स का मूल्य लगभग 2505 करोड़ रुपये था। संसद में साझा आंकड़ों के अनुसार मादक पदार्थों से जुड़े कुल 549 मामलों का खुलासा हुआ, जो इस बात का प्रमाण है कि ड्रग माफिया की गतिविधियाँ अब अधिक परिष्कृत रूप ले रही हैं, परंतु सुरक्षा एजेंसियाँ भी उसी गति से उनका पीछा कर रही हैं। सरकार ने माना कि वैश्विक स्तर पर सिंथेटिक ड्रग्स की तस्करी में वृद्धि हुई है, जिसका प्रभाव भारत जैसे बड़े उपभोक्ता और ट्रांजिट देश पर भी पड़ता है, इसलिए सीमा पर निगरानी को और कड़ा करने की आवश्यकता बनी हुई है।

लोकसभा में पेश किए गए आंकड़ों के एक अन्य महत्वपूर्ण हिस्से में एलआईसी के निवेश का विवरण भी शामिल था। इस विवरण के अनुसार अदानी समूह में एलआईसी का निवेश पिछले डेढ़ दशक में 24 गुना बढ़ा है। वर्ष 2007 में अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन में एलआईसी ने लगभग 192 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो 2025 में बढ़कर 15,306 करोड़ रुपये तक पहुँच गया। यह सिर्फ इक्विटी निवेश नहीं, बल्कि इक्विटी और डेट दोनों का संयुक्त मूल्य है। वर्तमान में एलआईसी के कुल निवेश पोर्टफोलियो में अदानी समूह की पाँच कंपनियों में निवेश शामिल है। संसद में सरकार ने यह स्पष्ट किया कि यह वृद्धि बाजार की स्थितियों, कंपनियों के विस्तार और बीते वर्षों में बुनियादी ढाँचे के क्षेत्र में बढ़े अवसरों के कारण हुई है। ऐसे निवेश दीर्घकालिक रणनीति पर आधारित होते हैं और इनका उद्देश्य पॉलिसीधारकों के हितों को प्राथमिकता देना है। इसी तरह, पराली जलाने की घटनाओं में 90 प्रतिशत की भारी कमी भी संसद की चर्चा का हिस्सा रही। पिछले वर्षों की तुलना में यह गिरावट पर्यावरणीय दृष्टि से एक बड़ी राहत मानी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इसके पीछे राज्य सरकारों की सक्रियता, किसानों को वैकल्पिक प्रबंधन उपकरणों की उपलब्धता और आर्थिक प्रोत्साहनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पराली प्रबंधन मशीनें, सब्सिडी योजनाएँ और जागरूकता अभियानों के चलते पंजाब, हरियाणा और पश्चिम यूपी में पराली जलाने की प्रवृत्ति में भारी कमी दर्ज की गई है। सरकार ने बताया कि भविष्य में भी यह रुझान कायम रहे, इसके लिए अधिक तकनीकी समाधान और किसानों के लिए और बेहतर सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

जल जीवन मिशन से जुड़े मुद्दों ने भी संसद का ध्यान खींचा। मिशन से संबंधित 17 हजार शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें अकेले उत्तर प्रदेश से 84 प्रतिशत शिकायतें आईं। ये शिकायतें मुख्य रूप से जल गुणवत्ता, पाइपलाइन कनेक्शन की देरी, आपूर्ति में व्यवधान और संबंधित तकनीकी गड़बड़ियों से जुड़ी थीं। केंद्र सरकार ने यह स्पष्ट किया कि शिकायतों के समाधान के लिए राज्यों और स्थानीय निकायों के साथ समन्वय को और तेज किया गया है और डिजिटल प्लेटफॉर्मों की सहायता से इन शिकायतों की निगरानी और निस्तारण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है। सरकार का कहना है कि जल जीवन मिशन का लक्ष्य सिर्फ पाइपलाइन बिछाना नहीं, बल्कि हर घर तक सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल सुनिश्चित करना है, इसलिए शिकायतों का समयबद्ध निवारण अत्यंत आवश्यक है।

डिजिटल लेनदेन और साइबर सुरक्षा से जुड़े मामलों में भी सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। संसद में यह जानकारी दी गई कि अवैध वित्तीय लेनदेन और धोखाधड़ी करने वाले 87 मोबाइल ऐप बंद किए गए हैं। इन ऐप्स का उपयोग अवैध ऑनलाइन लोन, उधार वसूली में धमकी, विदेशी सर्वर आधारित धोखाधड़ी और अनाधिकृत लेनदेन के लिए किया जा रहा था। सरकार ने स्पष्ट किया कि साइबर फ्रॉड के मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए गृह मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय, साइबर सेल और वित्तीय नियामक निकायों की संयुक्त टीम लगातार निगरानी कर रही है। इन ऐप्स के संचालन में विदेशी तत्वों की संलिप्तता भी संदिग्ध पाई गई, जिसके चलते इंटर-एजेंसी ऑपरेशन चलाकर इन्हें ब्लॉक किया गया। सरकार का कहना है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था तभी सुरक्षित रह सकती है, जब नागरिकों की वित्तीय सुरक्षा सर्वोपरि हो और उसके लिए कठोर तथा त्वरित कार्रवाई आवश्यक है।

इन सभी आंकड़ों और रिपोर्टों के बीच संसद में यह भी चर्चा रही कि देश में आर्थिक और सुरक्षा ढाँचा लगातार मजबूत हो रहा है। सोना तस्करी से लेकर ड्रग्स सिंडिकेट तक, वित्तीय निवेश से लेकर डिजिटल धोखाधड़ी तक, सरकार की विभिन्न एजेंसियाँ अधिक संयोजित तरीके से काम कर रही हैं। संसद में साझा किए गए ये आँकड़े केवल तथ्यों का लेखा जोखा नहीं, बल्कि उस व्यापक प्रशासनिक दृष्टि का प्रतिबिंब हैं जिसके तहत देश को सुरक्षित, पारदर्शी और आर्थिक रूप से अधिक स्थिर बनाने का प्रयास जारी है।

देश के एयरपोर्ट पर बढ़ती जब्तियाँ यह संकेत देती हैं कि तस्करी करने वालों के तौर तरीकों में सुधार भले हुआ हो, पर सुरक्षा एजेंसियाँ उससे कई कदम आगे हैं। इसी प्रकार ड्रग्स पर हुए निर्णायक प्रहार से स्पष्ट है कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क के खिलाफ अपने अभियान को अब और अधिक कठोर और तकनीकी रूप से सक्षम बना दिया है। एलआईसी के निवेश से जुड़ा आंकड़ा वित्तीय क्षेत्र के विमर्श में नई रोशनी डालता है, जबकि पराली से जुड़ी कमी पर्यावरणीय नीतियों की सफलता का प्रमाण है। जल जीवन मिशन की शिकायतें इस बात की ओर संकेत करती हैं कि विकास योजनाएँ जितनी विस्तृत हों, उनके क्रियान्वयन का तंत्र उतना ही मजबूत और संवेदनशील होना चाहिए। वहीं, 87 अवैध ऐप्स का बंद होना इस बात का संकेत है कि डिजिटल काल में सुरक्षा का अर्थ अब केवल सीमाओं की सुरक्षा नहीं, बल्कि मोबाइल स्क्रीन की सुरक्षा भी है।

बदलती दुनिया में भारत-रूस की अटल साझेदारी

योगेश कुमार गोयल

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है।

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक संरेखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 5 दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं।

इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में, जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली एक साहसिक पहल भी है।

भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है। शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनिश्चितताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढ़ांचे को सुदृढ़ करेगा।

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए 'फार्मेसी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पश्चिमी दवाईयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है। भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है। रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचालित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है।

सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेन्द्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यवहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है। क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलैक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है।

संघ का सनातन एवं प्रकृति-दर्शन: वैश्विक चेतना का आह्वान

ललित गर्ग

भारत की सांस्कृतिक चेतना की जड़ में पंचमहाभूतों की जीवन-व्यवस्था है- भूमि, जल, अग्नि, वायु और आकाश का संतुलन ही भारतीय ज्ञान-तंत्र की आत्मा है। ''भगवान'' शब्द के अक्षरों में निहित पंचतत्त्वों का सार यही दर्शाता है कि भारतीय जीवन-दर्शन में भगवान कोई बाहरी सत्ता नहीं, बल्कि प्रकृति और संस्कृति का सुसंगठित योग है। यही दृष्टि सनातन कहलाती है, नित्य प्रवाहमान, पुनर्जननशील, अविनाशी। जब भारत का जीवन इसी तत्त्वदृष्टि से संचालित था, तब वह न केवल आर्थिक रूप से बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी विश्व-गुरु था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में यह विचार और भी प्रासंगिक हो उठता है कि संघ का अस्तित्व ही सनातन जीवन-शैली की पुनर्स्मृति, पुनर्रचना और पुनर्स्थापना का प्रयत्न है। संघ नेतृत्व विशेषकर सरसंघचालक श्री मोहन भागवत की दृष्टि इस मूल दर्शन की आधुनिक व्याख्या है- 'भारत की पहचान धर्म से है और धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि वह जीवन-शैली है, जिसमें प्रकृति, समाज, संस्कृति और आत्मा का संतुलन हो।'' उनकी यह बात भारत की वैदिक चेतना को वर्तमान विश्व-यथार्थ में स्थापित करती है। संघ के शताब्दी वर्ष का समय केवल एक संगठनात्मक उत्सव नहीं बल्कि भारत की सनातन जीवन पद्धति के पुनरुत्थान का क्षण है। संघ सरचालक श्री मोहन भागवत बार-बार यह कहते रहे हैं कि भारत का अस्तित्व किसी राजनीतिक ढांचे से नहीं बल्कि उसकी प्रकृति और संस्कृति के अखंड योग से बना है। भारतीय जीवन का यह सत्य पंचमहाभूतों के योग में निहित है, जिनसे सृष्टि बनी और जिनकी गति को भगवान कहा गया। मोहन भागवत का दृष्टिकोण इस सत्य को आधुनिक भाषा में समझाता है कि सनातन केवल कोई धर्म नहीं बल्कि वह जीवन-तंत्र है जो मानव और प्रकृति के संतुलन से चलता है। भारतीयता प्रकृति-पूजक है और संस्कृति को उसी प्रकृति की लय पर निर्मित करती है। आज की दुनिया युद्ध, आतंक, प्रतिस्पर्धा और पकर्यावरणीय संकट से त्रस्त है। मानव की भूख केवल संसाधन और उपभोग तक सीमित होने से जीवन तनाव, प्रदूषण और अव्यवस्था का पर्याय बनता जा रहा है। यही पश्चिमी दुनिया की शोषणकारी दृष्टि रही जिसने प्रकृति पर नियंत्रण को प्रगति माना, जबकि भारत की दृष्टि पोषण और सहअस्तित्व की थी। मोहन भागवत कहते हैं कि भारत का मार्ग 'सबका हित और सबके साथ' पर आधारित है, क्योंकि भारतीय समाज ने प्रकृति को माता माना और संस्कृति को उसका स्वरूप। यह वही दृष्टि है जिसमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष जीवन के चार आयाम हैं; जहां मोक्ष की चाह लालच रहित आनंद में है और जीवन को आरोग्य बनाना ही संस्कृति का प्रमुख लक्ष्य है। संघ का जीवन यही संदेश देता है कि व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और विश्व तभी स्वस्थ होंगे जब मानव प्रकृति के साथ समरस जीवन जिएगा। आज जब राष्ट्रवाद को भौतिक शक्ति से मापा जा रहा है, तब मोहन भागवत इसके आध्यात्मिक स्वरूप को स्पष्ट करते हैं। राष्ट्र उनके लिए भू-भाग ही नहीं, बल्कि स्मृति, संस्कृति, प्रण और परंपरा का जीवंत व्यक्तित्व है। वे कहते हैं कि भारत की शक्ति उसकी विविधता और सामंजस्य में है, और सनातन इसलिए सनातन है क्योंकि वह पुनर्जननशील है; वह कभी समाप्त नहीं होता क्योंकि उसका आधार प्रकृति है। यही कारण है कि संघ की जीवन शैली में ग्राम विकास, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य आधारित आहार-विहार, चरित्र निर्माण और संतुलित व्यवहार को स्थान दिया गया। गांव, गौ-संवर्धन, हस्तशिल्प, लोक-जीवन, जैविक खेती, नदी-पुनरुद्धार, जल संरक्षण, स्वच्छता एवं आत्मनिर्भर भारत-ये नीतियां आधुनिक रूप में ''भू-सांस्कृतिक मानचित्र'' की पुनर्स्थापना हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जीवन दृष्टि को आधुनिक शासन में उतारा है। योग का विश्वदिवस घोषित होना, आयुर्वेद का पुनर्धर्म, 'माई लाइफ़ माई योगा', 'पंचामृत', 'लोकल टू ग्लोबल', 'वोकल फॉर लोकल', जी-20 की भारतीय दर्शन आधारित थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम्', मिशन लाइफ, प्राकृतिक खेती, पारंपरिक चिकित्सा मंत्रालय, मंदिरों का पुनर्जीवन, सांस्कृतिक आत्मविश्वास का उदय-ये सब उस सनातन दृष्टि के शासन रूप हैं जिसे संघ वर्षों से साधता आया है।

खास बात

सरकार के यू टर्न?

केंद्र सरकार अपनी छवि के विपरीत लगातार यू टर्न ले रही है। जिसको लेकर राजनीतिक हल्कों में बड़ी चर्चा हो रही है। हाल ही में संचार साथी ऐप को लेकर केंद्र सरकार ने यू टर्न लिया। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संसद के अंदर कहा, अब यह ऐप इंस्टॉल नहीं होगा। इसके पहले भी केंद्र सरकार आरोग्य सेतु एप को लेकर यू टर्न ले चुकी है। केंद्र सरकार इसके पहले और कई यू टर्न लेने के लिए विवश हुई है। पिछले साल ब्रॉडकास्टिंग सर्विसेज बिल पर सरकार पीछे हटी थी। 3 कृषि कानूनों को लेकर भी सरकार ने यू टर्न लिया था। जिस तरह से सरकार बार-बार यू टर्न ले रही है। वह वर्तमान केंद्र सरकार की छवि से मेल नहीं खाती है। क्या सरकार कमजोर हो रही है। इस बात की चर्चाएं होने लगी हैं।

दिल्ली निगम चुनाव में भाजपा और आपको सबक

दिल्ली के नगर निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी दोनों को ही सबक मिला है। इन उपचुनावों में दिल्ली के मतदाताओं को शीला दीक्षित की याद आई। कांग्रेस की याद आने लगी। जिसके कारण दोनों पार्टियों को बड़ा झटका लगा है। भाजपा वैसे तो तीन सीटों पर चुनाव हारी, लेकिन एक सीट पर जोड़-तोड़ करके जीत गई। बीजेपी कह रही है, उसका वोट बैंक बढ़ गया है। कांग्रेस ने संगम विहार की सीट जीत कर दिल्ली में अपना खाता खोल लिया है। चांदनी चौक की मुस्लिम बाहुल्य सीट फारवर्ड ब्लाक ने जीत ली है।

हवाई यात्रा आफत बनी

पिछले चार दिनों से हवाई यात्री एयरपोर्ट में हजारों की संख्या में बंधक बने हुए हैं। हजारों फ्लाइट कैंसिल हो गई हैं। इंडिगो की फ्लाइट कैंसिल हुई। अन्य फ्लाइट के रेट 4 से 6 गुना बढ़ गए। यात्री यहां से वहां भटकते रहे। एयरपोर्ट पर ना पानी मिला, ना चाय नाश्ता मिला। बच्चे भूख से बिल्विलाते रहे। यहां तक की बच्चियों को पीरियड में कोई सहायता एयरपोर्ट में मिली। हवाई यात्रियों के यह हाल होंगे यह तो उन्होंने सोचा भी नहीं था। बहरहाल भारत में जो सोचा नहीं जाता, वह हो रहा है। जो बोला और सोचा गया। वह नहीं हो रहा है। यही वर्तमान का सत्य है।

बिहार में कांग्रेस और राजद को आत्म चिंतन की जरूरत

बिहार विधानसभा के चुनाव हो गए हैं। इन चुनाव को लेकर तरह-तरह की बात की जा रही है। जो जीता वही सिकंदर, बिहार में एनडीए गठबंधन की सरकार बन गई। चाहे जैसे बनी हो। अब इंडिया गठबंधन के पास रोने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बड़े-बड़े दावे कर रहे थे। वोट चोरी नहीं होने देंगे, मतदाताओं के नाम नहीं कटने देंगे। उनकी नजरों के सामने सब कुछ होता रहा। वह देखते रह गए। चुनाव हो जाने के बाद भी सुप्रीम कोर्ट से तारीख पर तारीख मिल रही है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, पौष कृष्ण पक्ष, हेमंत रितु गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पूर्वे तिथी, चौथ, सोमवासरे, पुर्नवसु नक्षत्रे, वृण योगे, वलकरणे, कर्क की चंद्रमा, श्री गणेश चौथ व्रत, चंद्रोदय रात्रि 8/48 शुक्र, 43/25 उग्रकर्म धान्यछेदन मुर्हूत तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, दार्शनिक, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, कुशल वक्त, अधिवक्ता, शासक, प्रशासक तथा उत्तम प्रवृत्ति वाला, योगी भोगी तथा उत्तम वृत्ति का व्यापारी होगा।

मेष राशि- इष्ट मित्रों से सुख कार्य, व्यवसाय गति उत्तम योजनाएं फलीभूत होवेगी, लाभ मिलेगा।

वृष राशि- अचानक शुभ समाचार धन प्राप्ति के योग बनेंगे, संवेदनशील बनेगी, ध्यान रखें।

मिथुन राशि- क्रोध से अशांति तनाव झगड़े से बचें, कार्य व्यवस्था कुछ अनूकूल बनेगी।

कर्क राशि- कार्य कुशलता से संतोष स्त्री वर्ग से हर्ष तथा भोग ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी।

सिंह राशि- इष्टमित्रों से सुखवर्धक फल प्राप्त होगा, कुटुम्ब की समस्याएं सुलझेंगी, समय का ध्यान रखे।

कन्या राशि- व्यर्थ व्यय, असमंजस स्थिरता का वातावरण, हीन भावना की उत्पत्ति हो जाएगी।

तुला राशि- अधिकारियों का समर्थन विफल हो तथा कार्य व्यवसाय गति अनुकूल हो जाएगी।

वृश्चिक राशि- समय की अनुकूलता से लाभान्वित हो, पूर्ण कार्य हो जाने से कार्य कुशल अनुकूल बनें।

धनु राशि- व्यवसाय गति उत्तम, भाग्य का सितारा साथ देगा, बिगड़े हुए कार्य अवश्य बन जाएगे।

मकर राशि- स्त्री वर्ग से हर्ष उल्लास स्वास्थ्य नरम रहेगा, स्थितियों में सुधार होवेगा, खुशी मिलेगी।

कुंभ राशि- स्त्री शरीर सुख मानसिक बैचेनी से बचिए कार्य गति में अनुकूलता अवश्य बनेगी।

मीन राशि- धन लाभ होगा, आशानुकूल सफलता का हर्ष बिगड़े हुए कार्य अवश्य ही बन जाएंगे।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

8 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	वृश्चिक में
चंद्र	कर्क में
मंगल	धनु में
बुध	वृश्चिक में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृश्चिक में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
धनु	07.09 बजे से
मकर	09.14 बजे से
कुंभ	11.01 बजे से
मीन	12.34 बजे से
मेष	14.04 बजे से
वृष	15.44 बजे से
मिथुन	17.42 बजे से
कर्क	19.56 बजे से
सिंह	22.12 बजे से
कन्या	00.24 बजे से
तुला	02.34 बजे से
वृश्चिक	04.49 ब.से

सोमवार 2025 वर्ष का 342 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्थी 16.04 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 02.53 बजे रात्र को समाप्त।
योग ब्रह्म 17.02 बजे को समाप्त।
करण बालव 16.04 बजे तदनन्तर कौलव 03.10 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 17.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 43'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872552
जूलियन दिन 2461017.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 16

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नदी पर बनाया जाता है बर्फ का होटल, दूर-दूर से ठहरने आते हैं पर्यटक!

दुनियाभर में कई तरह के घुमक्कड़ होते हैं जो तरह-तरह की जगह जाना पसंद करते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें अजीबो-गरीब होटल देखना या वहां ठहरना भी पसंद होता है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही शौक रखते हैं तो आज हम आपको एक ऐसे ही अजीबो-गरीब होटल के बारे में बताने जा रहे हैं जो पूरी दुनिया में अपनी खासियत के लिए मशूहर है।

कुछ अलग दिखने की सूची में स्वीडन में मौजूद आइस होटल शमिल है। ये अपने हटके प्रस्तुति के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काफी पुराना होने के बावजूद भी ये होटल अपने कलाकारी के लिए लोगों के बीच आकर्षित है। यहां हर साल कलाकार अलग-अलग कलाकारियां करते हैं। आइए आपको आइस होटल की अन्य खासियत के बारे में बताते हैं, जो आपको हैरान कर सकती हैं...

नदी पर बना हुआ होटल

स्वीडन के टॉर्न नदी के ऊपर आइस होटल बना हुआ है। ये होटल पूरी तरह से बर्फ का बना हुआ होता है। इसकी खासियत है कि ये पिघलकर नदी का रूप ले लेता है। तय समय तक ये आइस होटल रहता है और फिर हर साल इसे बनाया जाता है। हर साल ये अलग-अलग आकर और कलाकारियों के साथ बनाया जाता है। जिसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां ठहरने के लिए पर्यटकों को 1 साल पहले ही बुकिंग करनी होती है।

अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है होटल

जब तक मौसम ठंडा और बर्फदार रहता है तब तक ये होटल अपने ठोस आकार में नदी पर मौजूद रहता है। वहीं, तापमान गर्म होने पर ये पिघलकर पानी में बदल जाता है। इसे हर साल नए-नए डिजाइन में बनाया जाता है। यहां आकार दुनियाभर के कलाकार अपनी कलाकारियां दिखाते हैं।

काफी कम तापमान के होते हैं कमरे

सोलर पॉवर कूलिंग की मदद से होटल के कमरों को बनाया जाता है। यहां ज्यादातर लाइट्स या अन्य उपकरणों को सौर ऊर्जा से ही चलाया जाता है। ये होटल इकोफ्रेंडली होने के कारण लोगों के लिए पहली पसंद में से एक है। यहां के कमरों का तापमान काफी कम होता है। बर्फ की मोटी-मोटी परत को काटकर कमरा बनाया जाता है। गर्मी आने तक ये होटल बर्फ के तौर पर रहता है और फिर अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है।

बर्फ के सेरेमनी हॉल और रेस्त्रां भी मौजूद

साल 1992 में पहली बार ये होटल खोला गया था। यहां मौजूद रेस्त्रां, सेरेमनी हॉल और कॉम्प्लेक्स को बर्फ से ही बनाया जाता है। इतना ही नहीं, होटल के फर्नीचर, दीवार, बार समेत अन्य चीजों को भी बर्फ से ही बनाया जाता है। यहां एक से एक डिजाइनिंग वाले कमरे मौजूद हैं।

कम से कम खर्च में घूमने के लिए अपनाएं यह टिप्स, जेब पर नहीं पड़ेगा जोर

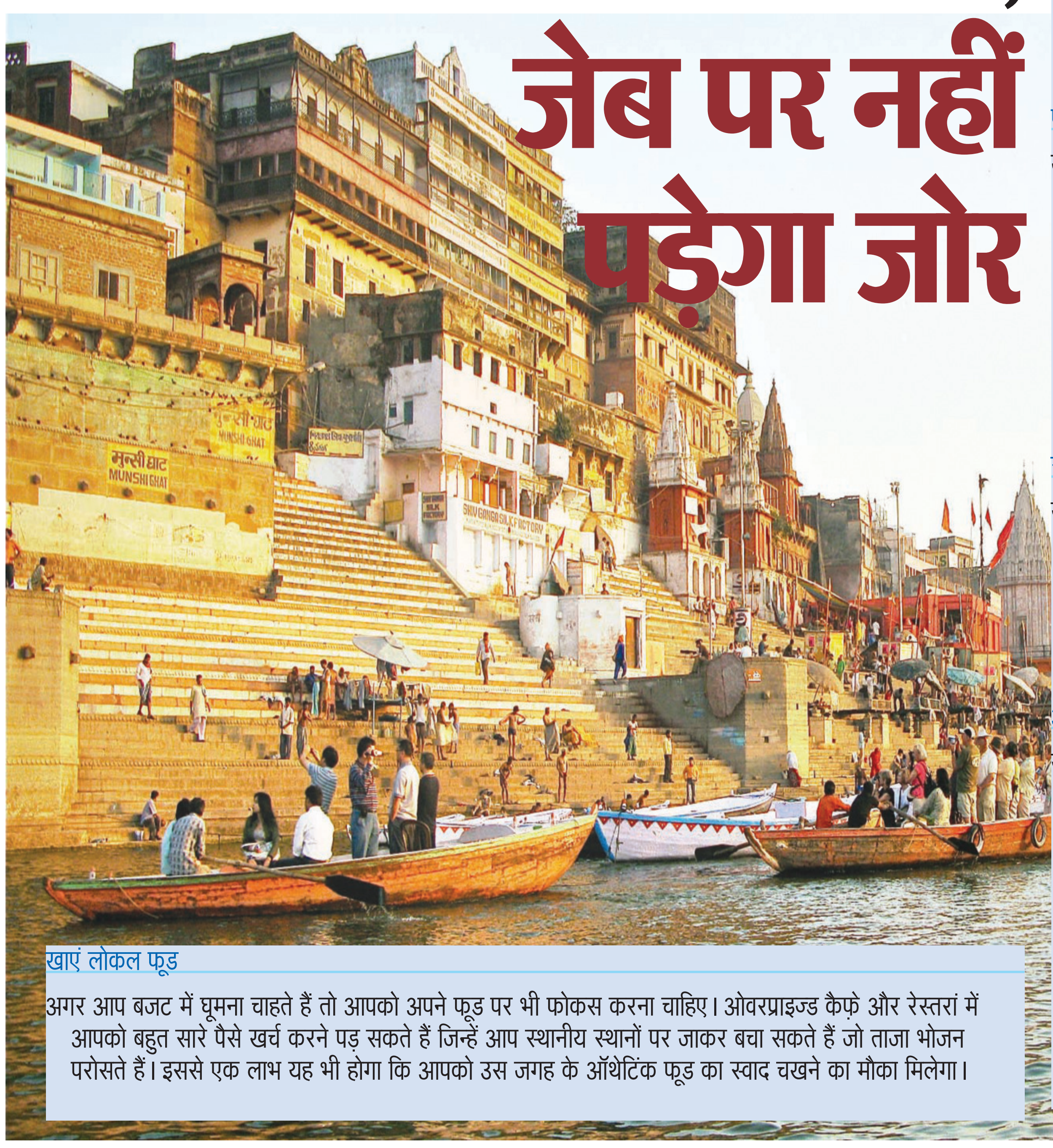

घूमना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। हर दिन के तनाव और रूटीन से ब्रेक लेते हुए नई जगहों को एक्सप्लोर करने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन फिर भी मध्यम वर्गीय परिवार चाहकर भी घूमने नहीं जा पाते और उसकी वजह होती है बजट। चार-पांच महीने में अगर एक बार भी घूमने का प्लॉन बनाया जाए तो इससे पूरा बजट बिगड़ जाता है और सेविंग भी काफी हद तक खर्च हो जाती है। हो सकता है कि आप भी पैसों के चक्कर में घूमने ना जा रहे हों। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप ट्रेवलिंग के दौरान पैसों की भी बचत कर सकते हैं-

प्लान करें ट्रिप

जब आप किसी नई जगह पर घूमने का विचार कर रहे हैं और चाहते हैं कि उसमें आपके काफी सारे पैसे खर्च ना हो तो इसके लिए आपको अपनी ट्रिप को प्लॉन करना चाहिए। आप जहां जा रहे हैं, इसके लोगों, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भोजन आदि के बारे में थोड़ा-बहुत जानना आपको बहुत परेशानी से बचाएगा। इसके अलावा रिसर्च आपको उन महंगे शहरों के बारे में बताएगा जिनसे आप बचना चाहते हैं। रिसर्च के जरिए आप उस जगह की सस्ती जगहों व लोकल फूड के बारे में जान पाएंगे।

सोच-समझकर चुनें एयरलाइन

यदि आप अपनी यात्रा के लिए सही एयरलाइन नहीं चुनते हैं तो आपको फ्लाइंग पर अतिरिक्त पैसा खर्च करना पड़ सकता है ।एक बजट एयरलाइन आपको कुछ पैसे बचा सकती है, इसलिए ट्रेवल के लिए आप सोच-समझकर एयरलाइन बुक करें। साथ ही अलग-अलग समय पर फ्लाइंग के चार्जेस अलग होते हैं, इसलिए उस पर भी फोकस जरूर करें।

ऑफ-सीजन में यात्रा करें

यह एक ऐसी ट्रिक है, जो ट्रेवल के दौरान आपके काफी सारे पैसे खर्च होने से बचा सकती है। पीक सीज़न के दौरान यात्रा करने से आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं, इसलिए पीक सीज़न की यात्रा से बचना समझदारी है। एयरलाइंस, होटल और फूड प्राइस आदि छुट्टियों के दौरान और क्रिसमस, ईस्टर, ईद और दिवाली जैसे अवसरों पर बढ़ जाती हैं। ऐसे में आप ऑफ सीजन में घूमने का प्लॉन करें। इससे आपके पैसे भी कम खर्च होंगे और भीड़ कम होने के कारण आप अच्छी तरह एंजॉय भी कर पाएंगे।

खाएं लोकल फूड

अगर आप बजट में घूमना चाहते हैं तो आपको अपने फूड पर भी फोकस करना चाहिए। ओवरप्राइज्ड कैफ़े और रेस्तरां में आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं जिन्हें आप स्थानीय स्थानों पर जाकर बचा सकते हैं जो ताजा भोजन परोसते हैं। इससे एक लाभ यह भी होगा कि आपको उस जगह के ऑथेंटिक फूड का स्वाद चखने का मौका मिलेगा।

हैप्पी हनीमून

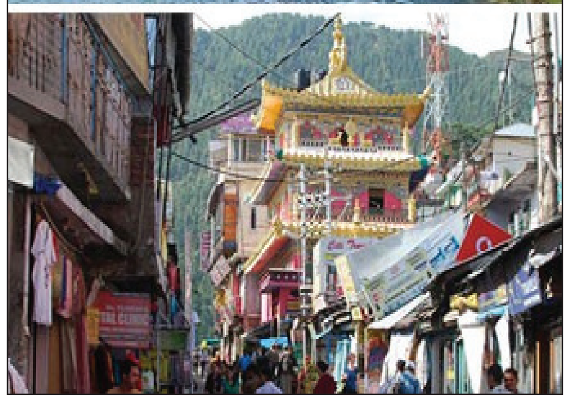

करना है पॉकेट फ्रेंडली हैप्पी हनीमून तो घूमें इन जगहों पर

शादी के बाद हनीमून किसी भी नवविवाहित जोड़े के लिए एक यादगार वक्त होता है। हनीमून ट्रिप को लेकर कपल्स के मन में कई तरह की एक्साइटमेंट होती है। लेकिन बहुत से कपल्स सिर्फ इसलिए हनीमून पर नहीं जा पाते, क्योंकि वह उनकी पॉकेट से बाहर होता है। हो सकता है कि आपकी भी जल्द शादी होने वाली है और आप कम बजट में हैप्पी हनीमून ट्रिप प्लॉन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप इन जगहों पर जा सकते हैं-

हिमाचल प्रदेश

दिल्ली से 400 किलोमीटर की दूरी पर हिमाचल प्रदेश एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर आप कम बजट में अपने पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, दलाई लामा का घर है और इसमें कई जगह हैं, जैसे कि भागसू फॉल्स, शिव कैफ़े आदि जगहों पर जा सकते हैं और ट्रेकिंग और अन्य एडवेंचर्स एक्टिविटीज कर सकते हैं। यहां पर आपको व्यक्ति प्रति दिन 300 रूपए में ठहरने की जगह मिल सकती है।

केरल

केरल एक बेहद ही खूबसूरत राज्य है और न्यू कपल्स के लिए इसे एक बेहतरीन घूमने की जगह माना जाता है। यहां की नेचुरल ब्यूटी हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। केरल को भगवान का अपना देश माना जाता है, जिस कारण हर व्यक्ति केरल के मंदिरों को देखना चाहता है। यहां बहुत सिद्ध मंदिर हैं। कुछ मंदिरों में पद्मनाभस्वामी मंदिर, गुरुवायुर मंदिर, वडक्कुन्नत मंदिर, अनंतपुरा झील मंदिर, थिरुमन्धाकुन्नु मंदिर, पडियानूर देवी मंदिर आदि प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह पद्मनाभस्वामी मंदिर है जो यहाँ बहुत प्रसिद्ध है।

उदयपुर

राजस्थान राज्य में कई बेहतरीन घूमने की जगहे हैं, लेकिन आप कम बजट में राजस्थान में हनीमून पर जाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको उदयपुर जाना चाहिए। यह अपेक्षाकृत काफी सस्ता है। आप यहां पर सिटी पैलेस से लेकर पिंचोला झील आदि कई खूबसूरत जगहों का लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

आगरा के ताजमहल को दुनिया के सात अजूबों में शामिल किया गया है। यह बेमिसाल प्यार की निशानी है। ऐसे में आपके लिए आगरा से बेहतर घूमने की जगह कौन सी होगी। यहां घूमने में आपको 5000 रूपए से भी कम का खर्च आएगा। आगरा में आप ताजमहल के अलावा आगरा का किला, फतेहपुर सिकरी आदि घूम सकते हैं। वैसे अगर आप आगरा जा रहे हैं तो वहां का फेमस पेठा खाना ना भूलें।

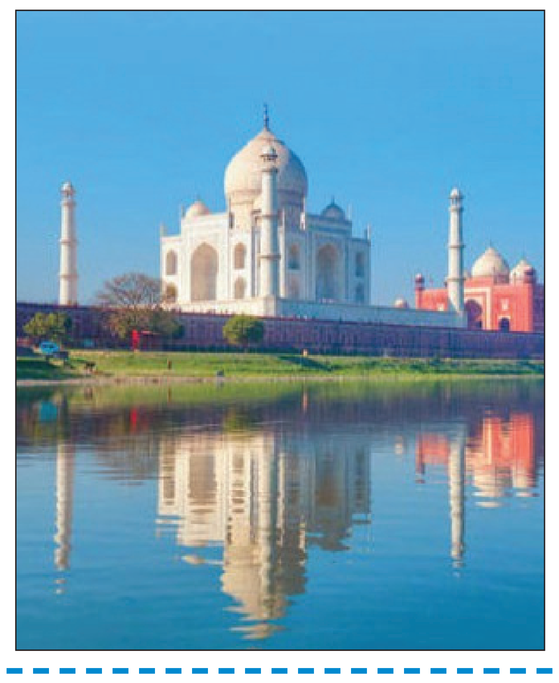

संक्षिप्त समाचार

कराटे में कानीन जुकु आरबी मार्शल आर्ट्स अकेडमी के खिलाड़ियों ने जीते 10 पदक

वाराणसी। वाराणसी के सन वैली पब्लिक स्कूल के भोमी कैंपस में 6 और 7 दिसंबर को हुई तीसरी यूएसकेआई ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में कानीन जुकु आर.बी. मार्शल आर्ट्स अकेडमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। अकेडमी के खिलाड़ियों ने चैंपियनशिप में कुल 10 पदक अपने नाम किए हैं। अकेडमी के 6 खिलाड़ियों ने विभिन्न वर्गों में बेहतरीन खेल दिखाते हुए 6 स्वर्ण, 3 रजत और 01 कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में खुशी मजूमदार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए काता और कुमिते दोनों वर्गों में रजत पदक हासिल किया। आरुषि वर्मा ने काता और कुमिते दोनों ही वर्गों में स्वर्ण पदक जीता। दृष्टि उपाध्याय ने कुमिते वर्ग में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, जबकि रिया राजभर ने कुमिते में कांस्य पदक अर्जित किया।

क्रिकेट के फाइनल में केजीएन ने दिल्ली को 6 विकेट से हराकर जीती ट्राफी

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के मौदहा कस्बे के रहमानियां खेल ग्राउंड में चल रहे मौलाना सलीम मेमोरियल अखिल भारतीय खेल महोत्सव के दूसरे फेज में शुरू हुए क्रिकेट टूर्नामेंट का रविवार को फाइनल मुकाबला केजीएन मौदहा और दिल्ली के बीच 20-20 ओवरों का खेला गया। मुख्य अतिथि फिरोज़ कानपुर ने दोनों टीमें के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मुकाबला शुरू कराया। जिसमे दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 184 रन बनाए।

मेजर लीग सॉकर कप 2025

इंटर मियामी ने वैंकूवर वाइटकैप्स को 3-1 से हराकर जीता खिताब

नई दिल्ली ■ एजेंसी

फुटबॉल क्लब इंटर मियामी ने अपना पहला मेजर लीग सॉकर (एमएएस) खिताब जीत लिया है। टीम ने फाइनल में वैंकूवर वाइटकैप्स को 3-1 से हराया। अमेरिका के फ्लोरिडा के फोर्ट लॉडरडेल स्थित चेस स्टेडियम में भारतीय समयानुसार आधी रात बाद खेले गए फाइनल में दिग्गज खिलाड़ी लियोनल मेसी ने शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि मेसी ने फाइनल में कोई गोल नहीं किया, लेकिन मियामी की जीत में उनकी अहम भूमिका रही।

फाइनल में इंटर मियामी की शुरुआत अच्छी रही। शुरुआती मिनटों में ही वैंकूवर टीम के खिलाड़ी की गलती से एक आत्मघाती गोल मिला और मियामी 1-0 से आगे हो गई। दूसरे हाफ में दोनों टीम की ओर से कड़ी टक्कर देखने को मिली। वैंकूवर ने वापसी की कोशिश करते हुए 60वें मिनट में बराबरी का गोल कर दिया।

इसके बाद मुकाबला पूरी तरह इंटर मियामी के कंट्रोल में चला गया। मियामी के मेसी ने शानदार खेल दिखाते हुए दो बेहतरीन असिस्ट किए। पहले 71वें मिनट में मेसी ने आर. डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम (90+6) में टी. अलेनडे के गोल में मदद की। इन दो मौकों ने मैच का रुख मियामी की तरफ कर दिया। इससे मियामी पहली बार एमएएस खिताब जीतने में सफल रही। एमएलएस डॉट कॉम के अनुसार, मेसी ने मैच के बाद कहा कि तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं। पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे, लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था।

मेसी ने आगे कहा कि टीम ने बहुत मेहनत की, यह एक बहुत लंबा साल था। कई मैच हुए और हम पूरे सीजन में अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन करते रहे। यह वो पल है जिसका मुझे इंतजार था और जिसका हम एक टीम के रूप में, इंतजार कर रहे थे। यह हम सभी के लिए बहुत खूबसूरत है। वे इसके हकदार थे।

एलए गैलेक्सी ने जीते सबसे ज्यादा खिताबएमएलस की सबसे सफल टीम एलए गैलेक्सी है। उसने रिकॉर्ड छह एमएलएस कप खिताब अपने नाम किए हैं। चार खिताब के साथ डीसी यूनाइटेड दूसरे नंबर पर है। कोलंबस क्रू ने तीन ट्रॉफी जीती हैं। इसके बाद कई अन्य टीमें हैं, जिन्होंने यह खिताब जीते हैं।

फ्रेंड्स कप 2025 : डे- नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट संबंधी बैठक सम्पन

16 दिसंबर से होंगे मुकाबले जिले की 16 टीमें लेंगी हिस्सा

नर्मदापुरम ■ प्रतिनिधि

फ्रेंड्स कप 2025 डे- नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजन संबंधी बैठक शनिवार शाम 4:00 बजे स्थानीय एस एन जी ग्राउंड में सम्पन हुई। बैठक में अतिथियों से आगामी आयोजन को लेकर अनेक विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई एवं आयोजन संबंधी जानकारी खिलाड़ियो और अतिथियों से सांझा की गई, आयोजन समिति के द्वारा बताया गया की आयोजन का आगाज क्रिकेट के साथ- साथ म्यूजिकल इवेंट्स एवं अवॉर्ड्स के साथ होगा जो कि अतिथियों और खेल प्रेमियों के लिए रहे चर्चा का विषय रहा, जिसकी सभी अतिथियों के द्वारा सराहना की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य अतिथियों के समक्ष आयोजन संबंधी जानकारी साझा करना एवं आयोजन समिति के सदस्यों के साथ आगामी आयोजन के लिए रूपरेखा बनाना था।

आयोजन समिति की ओर से विवेक भदौरिया ने बताया कि फ्रेंड्स कप 2025 16 दिसंबर से प्रारंभ होकर 21 दिसंबर तक चलेगा, जिसमे प्रथम पुरुस्कार 111111 (एक लाख ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह) एवं द्वितीय पुरस्कार 55555 (पचपन हजार पांच सौ पचपन) एवं आकर्षक ट्रॉफिया रहेगी। क्रिकेट का यह महासंग्राम स्थानीय एस एन जी ग्राउंड में खेला जाएगा, जिसमे नर्मदापुरम संभाग एवं बुधनी तहसील की 16 टीमे हिस्सा लेगी।

> 2 क्रिकेट के साथ म्यूजिकल इवेंट्स एवं अवॉर्ड्स रहे चर्चा का विषय, टूर्नामेंट को लेकर नर्मदापुरम के खेल प्रेमियों में उत्साह की लहर

फ्रेंड्स क्लब खेल एवं खिलाड़ियों के लिए हमेशा कुछ अनूठा करता आया है, इस प्रतियोगिता का उद्देश्य खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करना, युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक और रचनात्मक दिशा में प्रेरित करना है। बैठक के समापन पर आयोजन समिति के द्वारा सभी खिलाड़ियों, साथियों एवं वरिष्ठजनों ने इस बैठक में जो बढ़- चढ़ कर हिस्सा लिया उसके लिए सभी का धन्यवाद व्यक्त किया।

बैठक में मुख्य रूप से मध्य प्रदेश तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा, एमपीसीए में वर्तमान मैनेजिंग कमेटी के सदस्य अनुराग मिश्रा हॉकी संघ के अध्यक्ष डॉ अतुल सेठा जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे म्यूजिक जोन से असीम बिस्वास एवं सईद कुरेशी, राजेंद्र उपाध्याय,आलोक राजपूत, तरुण रावत,विवेक गौर वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र मिश्रा, मनीष तिवारी, अनुराग तिवारी, नीरज कैथवास, शहीद खान, अमित गुप्ता,अमित तिवारी, शुभम राजपूत अनीश राजपूत,मंटू खान, रवि उदासी, सुनील मिश्रा,राम राजपूत, आनंद चतुर्वेदी, टिंकल रैकवार, अविनाश वाल्मीकि, श्याम शर्मा, नीतेश तिवारी,ध्रुव ठाकुर श्रेयस शर्मा,आशु तिवारी, पीयूष शर्मा, अगम समैया, शिवा मेषकर ,राकेश धाकड़, दिलीप मांझी, सागर सन्तोरे, रोहित तिवारी, शुभम शर्मा, सचिन यादव, सौरभ चौधरी, बलवंत, बंटी कुरैशी,जीतू खत्री, सहित सैकड़ो की संख्या में नगर के खेल प्रेमी सम्मिलित हुए।

क्रिकेटर स्मृति मंधाना की शादी टूटी, इंस्टा पोस्ट में लगाया अफवाहों पर विराम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज एवं उपकप्तान स्मृति मंधाना और संगीतकार पलाश मुच्छल की शादी आखिरकार टूट गई है। दोनों ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अफवाहों पर विराम लगाते हुए रविवार को शादी रद्द होने की जानकारी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक सार्वजनिक बयान के माध्यम से दी।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी पोस्ट में मंधाना ने लिखा, ''पिछले कुछ हफ्तों से मेरी जिंदगी को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए खुलकर बोलना जरूरी है। मैं बेहद निजी इंसान हूं और मैं इसे इसी तरह रखना चाहती हूं, लेकिन यह स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है। मैं इस मामले को यहीं खत्म करना चाहती हूं और आप सभी से भी यही करने की अपील करती हूं। मैं आपसे अनुरोध करती हूं कि इस समय दोनों परिवारों की निजता का सम्मान करें और हमें अपनी गति से चीजों को समझने और आगे बढ़ने के लिए समय दें।'' भारतीय खिलाड़ी ने आगे

लिखा कि मेरा मानना है कि हम सभी के पीछे एक बड़ा उद्देश्य है और मेरे लिए वह उद्देश्य हमेशा अपने देश का सर्वोच्च स्तर पर प्रतिनिधित्व करना रहा है। मैं जिनता हो सके भारत के लिए लंबे समय तक खेलती रहूं और ट्रॉफियां जीतती रहूं और मेरा ध्यान हमेशा इसी पर रहेगा। आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। अब आगे बढ़ने का समय है। पलाश ने भी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट साझा किया। इसमें संगीतकार ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में आगे बढ़ने का फैसला किया है। पलाश के नोट में लिखा कि मैंने अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने और अपने निजी रिश्तों से दूर रहने का फैसला किया है। मेरे लिए यह देखना बहुत मुश्किल रहा है कि लोग मेरे लिए सबसे पवित्र चीज के बारे में बेबुनियाद अफवाहों पर इतनी आसानी से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यह मेरे जीवन का सबसे मुश्किल दौर है और मैं अपने विश्वासों पर कायम रहकर इससे निपटूंगा। उन्होंने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि हम एक समाज के रूप में, बिना पुष्टि की गई अफवाहों के आधार पर किसी के बारे में राय बनाने से पहले रुकना सीखेंगे, जिसके सोर्स कभी पहचाने नहीं जाते। हमारे शब्द हमें ऐसे जख्म दे सकते हैं जिन्हें हम कभी समझ नहीं पाएंगे। अपने बयान में उन्होंने आगे लिखा कि जब हम इन बातों पर विचार कर रहे हैं, तब दुनिया में कई लोग इसके गंभीर परिणामों का सामना कर रहे हैं। मेरी टीम झूठी अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी। इस कठिन समय में मेरे साथ खड़े रहने वाले सभी लोगों का धन्यवाद। स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल की शादी 23 नवंबर, 2025 को होनी थी, लेकिन तब मंधाना के पिता श्रीनिवास मंधाना की अचानक तबियत बिगड़ने के बाद शादी समारोह को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था।

व्यापार

संक्षिप्त समाचार

नवीकरणीय ऊर्जा के लिए एमएनआरई ने वित्तपोषण रोकने को कोई परामर्श जारी नहीं किया

नई दिल्ली। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने रविवार को साफ किया कि उसने वित्तीय संस्थानों को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं या नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण निर्माण इकाइयों को ऋण देना रोकने के लिए कोई परामर्श जारी नहीं किया है। मंत्रालय का यह स्पष्टीकरण उन खबरों के बीच आया है, जिनमें कहा जा रहा था कि एमएनआरई ने अत्यधिक क्षमता की चिंताओं के मद्देनजर ऋणदाताओं को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए नई वित्त सहायता रोकने की सलाह जारी की है। मंत्रालय ने कहा कि भारत ने अपनी स्थापित विद्युत क्षमता का 50 फीसदी गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से प्राप्त कर लिया है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने खुदरा ऋण दरों में 0.25% की कटौती की

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) और इंडियन बैंक (आईबी) के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने भी रविवार को रेपो रेट से जुड़ी उधारी दर (आरएलएलआर) के ऋणों में 0.25 फीसदी की कटौती की है। इस कटौती से बैंक के घर, वाहन और शिक्षा सहित अन्य ऋण दर सस्ते हो जाएंगे। बैंक ऑफ महाराष्ट्र की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि शनिवार से प्रभावी संशोधन के साथ बैंक का आवास ऋण 7.10 फीसदी ब्याज दर से और कार ऋण 7.45 फीसदी से शुरू होगा, जो बैंकिंग उद्योग में सबसे कम है। बैंक ने ऋण की दर में कटौती का फैसला रिजर्व बैंक के रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती के बाद किया है।

इस सप्ताह महंगाई, विदेशी निवेश और वैश्विक संकेत रहेंगे फोकस में

> अमेरिका की फेड बैठक से ब्याज दरों का फैसला बाजार की दिशा तय करेगा
> अमेरिका-भारत संभावित व्यापार समझौते पर निवेशकों की नजर
> मिडकैप और स्मॉलकैप में मूल्य आधारित खरीदारी संभव

मुंबई ■ एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार के लिए आगामी सप्ताह महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकार 12 दिसंबर को खुदरा महंगाई (सीपीआई) के आंकड़े जारी करेगी। अक्टूबर में महंगाई लगभग 0.25 फीसदी दर्ज की गई थी। इस बार यदि महंगाई नियंत्रित रहती है, तो निवेशकों को राहत मिलेगी और बाजार में तेजी की उम्मीद बढ़ सकती है।

वहीं महंगाई बढ़ने की स्थिति में बाजार सतर्क रवैया अपना सकता है। उसी दिन विदेशी मुद्रा भंडार और आर्थिक वृद्धि (जीडीपी) से जुड़े आंकड़े भी सामने आएंगे। विदेशी मुद्रा भंडार में उतार-चढ़ाव रुपये की स्थिति और विदेशी निवेश धारणा पर असर डालता है, जिससे बाजार की दिशा पर सीधे प्रभाव पड़ता है। वैश्विक कारक भी अगले सप्ताह बाजार को प्रभावित करेंगे। अमेरिका की फेडरल रिजर्व बैठक से ब्याज दरों पर फैसला आएगा। दरों में स्थिरता या कटौती का संकेत भारतीय बाजार के लिए सकारात्मक रहेगा, जबकि बढ़ोतरी या सख्त रुख की स्थिति वैश्विक बाजारों में दबाव ला सकती है। इसके अलावा अमेरिका के रोजगार डेटा, औद्योगिक उत्पादन और मुद्रास्फीति से जुड़े संकेत भी निवेशकों की नजर में रहेंगे। हाल ही में रूस-भारत संबंधों में प्रगति हुई है। रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने रक्षा, व्यापार, अर्थव्यवस्था, शिक्षा और संस्कृति समेत 16 समझौते किए। पुतिन ने भारत को ईंधन की निरंतर आपूर्ति का आश्वासन भी दिया। वहीं, अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते की बातचीत भी जारी है। निवेशक इस संतुलन और सकारात्मक संकेतों पर नजर रखेंगे। मिडकैप और स्मॉलकैप में हाल की कमजोरी के बाद मूल्य आधारित खरीदारी लौट सकती है। आईटी और मेटल सेक्टर पर निगाह बनी रहेगी। ऊर्जा और एफएमसीजी सेक्टर में फिलहाल स्थिर दृष्टिकोण रहने की संभावना है।

रुपए में गिरावट का शेयर बाजार में दिखने लगा असर, विदेशी-निवेशकों ने 7 दिन में निकाले 11,820 करोड़

मुंबई। फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स ने दिसंबर के पहले हफ्ते में भारतीय शेयर बाजार से 11,820 करोड़ रुपए (1.3 बिलियन डॉलर) निकाल लिए। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस निकासी की मुख्य वजह रुपए की तेज गिरावट रही। विदेशी निवेशकों ने नवंबर में 3,765 करोड़ की निकासी की थी। 2025 में अब तक कुल 1.55 लाख करोड़ रुपए (.17.7 बिलियन) निकाल चुके हैं। हालांकि घरेलू निवेशकों ने पहले हफ्ते में 19,783 करोड़ की खरीदारी की। इससे फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स निकासी का प्रभाव बाजार पर सीमित रहा। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट विजयकुमार ने कहा, रुपए की 5 प्रतिशत गिरावट ने फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स को निकासी के लिए मजबूर किया। वहीं एंजेल वन के सीनियर फंडामेंटल एनालिस्ट वकार जावेद खान ने कहा, ईयर-एंड पोर्टफोलियो रीपोजिशनिंग और इंडिया-यूएस ट्रेड डील में देरी ने ग्लोबल सेंटिमेंट खराब किया है। अक्टूबर में फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स ने भारतीय इक्विटी में 14,610 करोड़ रुपए का निवेश किया था, जो जुलाई से सितंबर तक चले तीन महीनों की बिकवाली की लाइन को तोड़ने वाला था।

अगले साल 1 से 5 मई तक भारत मंडपम में भारतीय स्वदेशी मेला का आयोजन

नई दिल्ली। स्वावलंबन भावना और स्वदेशी उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के स्वदेशी मेला आयोजन बोर्ड ने देश के पहले और सबसे बड़े 'भारतीय स्वदेशी मेला' के लिए मार्ग व मानचित्र को अंतिम रूप दे दिया है। इस भव्य मेले का आयोजन अगले साल 1 से 5 मई को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में होगा।

सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने रविवार को विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि नई दिल्ली में स्वदेशी मेला आयोजन बोर्ड की राष्ट्रीय बैठक में इस भव्य मेले के आयोजन की रूपरेखा तय की गई, जो 1 से 5 मई 2026 तक नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में होगा। उन्होंने बताया कि सरकारी, वैश्विक एवं संस्थागत भागीदारी के तहत आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के लिए जल्द ही देशव्यापी प्रचार अभियान शुरू किया जाएगा। कैट महामंत्री ने कहा कि यह मेला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल', 'लोकल टू ग्लोबल' और 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण से गहराई से प्रेरित है। बैठक की अध्यक्षता स्वदेशी मेला आयोजन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. रामगोपाल गोयल ने की।

बैठक में वैश्विक हैंडलूम आइकन और सामाजिक उद्यमी रूमादेवी ने अपने संबोधन में व्यापारियों से जड़ों से जुड़े रहने, स्वदेशी अपनाने और स्वदेशी को विश्व मंच तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने व्यवसायियों से भारत की पारंपरिक कौशल-सम्पदा को आगे बढ़ाने और पूर्णत: स्वदेशी उत्पादों को विश्व बाज़ारों में स्थापित करने का आग्रह किया।

भारतीय उद्यमिता शक्ति का भव्य प्रदर्शन :-इसके तहत भारतीय स्वदेशी मेला अभूतपूर्व स्तर पर निम्न क्षेत्रों को एक ही मंच पर लाएगा।

स्टार्टअप और महिला उद्यमी, कारीगर, हैंडलूम एवं हैंडीक्राफ्ट क्लस्टर, स्व-सहायता समूह, ग्रामीण उद्योग एवं उत्पाद-आधारित संस्थाएं, राष्ट्रीय व्यापार संगठन एवं सेक्टोरल फेडरेशंस, निर्माता, व्यापारी एवं युवा उद्यम, देश के हर राज्य और केंद्र-शासित प्रदेश से प्रदर्शकों की भागीदारी होगी, जो भारत की पारंपरिक विरासत से लेकर आधुनिक नवाचारों तक का संपूर्ण व्यापारिक परिदृश्य प्रस्तुत करेंगे।

अमेरिकी फेड के फैसले और एफआईआई की गतिविधियों से इस हफ्ते तय होगी बाजार की चाल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर संबंधी फैसला इस हफ्ते घरेलू शेयर बाजारों के रूझान तय करने वाला प्रमुख कारक होगा। शेयर बाजार पर नजर रखने वाले विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक गतिविधियां और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की भावना को प्रभावित करेगा।

विश्लेषकों के मुताबिक निवेशकों का पूरा ध्यान अब 9-10 दिसंबर को होने वाली अमेरिकन फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक पर है। इसके अतिरिक्त इस हफ्ते 12 दिसंबर को आने वाले देश के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आंकड़ों पर बाजार बारीकी नजर रखेंगे। साथ ही वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर भी ध्यान रहेगा, जो उभरते बाजारों की जोखिम धारणा को

प्रभावित कर सकता है। निवेशक रुपये की चाल पर भी नजर रखेंगे, जो पिछले हफ्ते डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर से नीचे चली गई थी।

उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में सुस्ती रही, जहां प्रमुख शेयर सूचकांक बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों संसेक्स 447.05 अंक उछल कर 85,712.37 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 152.70 अंक की बढ़त के साथ 26,186.45 पर बंद हुआ था।

इंडस्ट्री प्रो का भोपाल में अत्याधुनिक ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी पर सेमिनार संपन्न

भोपाल ■ प्रतिनिधि

इंडस्ट्री प्रो ने आज भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भोपाल में नवीनतम औद्योगिक ऑटोमेशन तकनीक पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया।

सेमिनार मेंआशीष औरंगाबादकर की विशेष उपस्थितिरही, जिनके मार्गदर्शन ने सत्र को और अधिक प्रभावी बनाया।साथ ही बीएचईएल के विभिन्न विभागों से महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इंडस्ट्री प्रो ने अपनी 360 डिग्री सॉल्यूशन्सक्षमता को प्रस्तुत करते हुए SCADA, IT-OT इंटीग्रेशन, इंडस्ट्रियल डिजिटलाइजेशन, क्रेन

मॉनिटरिंग, तथा महत्वपूर्ण औद्योगिक उपकरणों की रिपेयरिंग एवं सर्विसिंग जैसे प्रमुख विषयों को कवर किया।

प्रतिभागियों ने इस सत्र को अत्यंतरोचक, उपयोगी और ज्ञानवर्धकबताया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने न केवल वर्तमान तकनीकों बल्कि भविष्य की इंडस्ट्री आवश्यकताओं पर भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। कंपनी की ओर से रोहित सिंवर, जयेश शिवरामनी, एवं राजेशनायर नेसभी पहलुओं का विस्तार से चर्चा की एवं जिज्ञासाओंका समाधान किया।

इंडस्ट्री प्रो का उद्देश्य है कि भारतीय उद्योगों को बेहतर उत्पादकता, सुरक्षा और लागत अनुकूलन के लिए आधुनिकतम ऑटोमेशन समाधान उपलब्ध कराए जाएँ, जिससे उद्योग 4.0 की दिशा में देश की प्रगति तेज़ी से आगे बढ़े।

इंडस्ट्री प्रो ने भविष्य उन्मुख तकनीकी सीख एवं पहल के लिएबीएचईएल प्रबंधन को हार्दिक धन्यवादज्ञापित किया। वहीं कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु बीएचईएल प्रबंधन और सभी प्रतिभागियों ने इंडस्ट्री प्रो टीम की सराहना की इंडस्ट्री प्रो टीम तकनीकी सेमिनार के समन्वय के लिए विवेक सिंह यादव (डीजीएम) और भूपेंद्र मिश्रा (वरिष्ठ प्रबंधक) का भी हार्दिक धन्यवाद करती है।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण-पूर्वी अलास्का में 7.0 तीव्रता का भूकंप, इसके बाद 20 बार हिली धरती

जुनो (अलास्का)। दक्षिण-पूर्वी अलास्का में स्थानीय समयानुसार शनिवार दोपहर भूकंप का शक्तिशाली झटका महसूस किया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.0 मापी गई। इसके बाद कम से कम 20 और झटके महसूस किए गए। 7.0 तीव्रता का भूकंप का केंद्र अलास्का की राजधानी जुनो से लगभग 230 मील उत्तर-पूर्व में था। फिलहाल किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया कि यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे और यूनिवर्सिटी ऑफ अलास्का के भूकंप केंद्र के अनुसार, शनिवार दोपहर के आसपास अमेरिका-कनाडा सीमा के पास दक्षिण-पूर्वी अलास्का में 20 से ज्यादा बार भूकंप आया। 7.0 तीव्रता के भूकंप के बाद 5.3 तीव्रता और 5.0 तीव्रता के भूकंप के झटके भी महसूस किए गए। भू वैज्ञानिकों के अनुसार यह झटके अमेरिका के अलास्का राज्य और कनाडा के युकोन क्षेत्र की सीमा पर एक पहाड़ी पर कम आबादी वाले इलाके में आए। इनमें से कुछ की तीव्रता तो मात्र3.3 रही। अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली के अनुसार सुनामी का कोई खतरा नहीं है।

यूक्रेन संकट पर अहम बैठक : लंदन में जेलेंस्की, स्टार्मर और मर्ज से मिलेंगे मैक्रों

पेरिस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने घोषणा की है कि वह 8 दिसंबर को लंदन की यात्रा करेंगे, जहां उनकी मुलाकात यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीयर स्टार्मर और जर्मनी के चांसलर फ्रेड्रिक मर्ज से होगी। बैठक का उद्देश्य यूक्रेन की स्थिति, अमेरिकी मध्यस्थता में जारी वार्ताओं और सुरक्षा गारंटी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना है। मैक्रों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि यूक्रेन फ्रांस पर 'अटूट समर्थन' के लिए भरोसा कर सकता है। उन्होंने बताया कि यह सहयोग 'कोएलिशन ऑफ द विलिंग' के प्रयासों का हिस्सा है, जिसके तहत अमेरिका के साथ मिलकर यूक्रेन को दीर्घकालिक सुरक्षा गारंटी प्रदान करने की दिशा में काम किया जा रहा है। उनके अनुसार, यूक्रेन में शांति केवल तभी संभव है जब उसके लिए मजबूत और विश्वसनीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, क्योंकि यह पूरे यूरोप की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। रूस द्वारा हाल ही में यूक्रेन की ऊर्जा और रेल संरचना पर किए गए हमलों की मैक्रों ने कठोर शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि रूस 'तनाव बढ़ाने की राह पर है' और शांति की कोशिश नहीं कर रहा, इसलिए अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाए रखना आवश्यक है। उधर, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के अनुसार, रूस की सैन्य गतिविधियों के चलते

चीन का तीन पतवारों वाले जहाज ने चौंकाया, यह सतह और पानी में लगा सकता है गोता

बीजिंग। दुनिया ने पहली बार चीन की एक रहस्यमय ट्राइमारन यानी तीन पतवारों वाला जहाज देखा। इस तस्वीर में जहाज पानी में तैरता दिख रहा है और विशेषज्ञों के मुताबिक इसे ग्वांगझोउ प्रांत के हुआंग पु शिपयार्ड में देखा गया है। हालांकि इसका उद्देश्य अभी भी साफ नहीं है, लेकिन डिजाइन और विशेषताओं से इसे सामान्य सतही जहाज नहीं कहा जा सकता। यह जहाज सतह पर भी जा सकता है और जरूरत पड़ने पर पानी के अंदर भी गोता लगा सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्राइमारन की काली पेंटेड बॉडी में सतही जहाज और सबमरीन दोनों के संकेत हैं। पीछे मौजूद प्रॉपल्सर पम्प जेट सिस्टम जैसा दिखता है, जो लंबी दूरी तय करते समय कम आवाज करता है। जहाज की सैल में संभवतः स्नॉर्कल या एंटीना मौजूद है और सैल व हुल पर दिखाई दे रहे पानी के निशान बताते हैं कि यह जहाज पानी में गोता लगाने में सक्षम हो सकता है।

तुर्किये के दक्षिण-पूर्वी उस्मानिये प्रांत में भीषण सड़क दुर्घटना में कम से कम 7 लोगों की मौत

अंकारा। तुर्किये के दक्षिण-पूर्वी उस्मानिये प्रांत में शनिवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गयी और 11 घायल हो गए। यह हादसा बहचे जिले के पास उस समय हुआ जब एक यात्री बस सड़क किनारे पंक्चर होने के कारण खड़े ट्रक से पीछे से टकरा गई। अधिकारियों के अनुसार, टक्कर के बाद हाईवे को बंद करना पड़ा। ट्रक चालक को हिरासत में लिया गया है, जबकि राहत दल हादसे में क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने में जुटे हैं। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। तुर्किये में सड़क हादसे आम हैं। 2024 में अब तक 2,713 लोगों की मौत दर्ज की गई है, जिनमें सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं इस्तांबुल, अंकारा और इजमिर में हुई। हाल के महीनों में भी कई गंभीर बस दुर्घटनाएँ हुईं जुलाई में सिवास प्रांत में 4 मौतें और 33 घायल हुए थे।

ममता बनर्जी के लिए धर्म-संकट

वंदे मातरम पर संसद में बीजेपी ने दिया विपक्ष को नया चैलेंज

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वंदे मातरम् पर संसद में बहस ऐसे वक्त हो रही है, जब पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का पूरा माहौल बन चुका है. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी तो पहले से ही चुनावी तैयारियों में जुटी हुई है, बीजेपी तो हर चुनाव ही जंग की तरह लड़ती है, लिहाजा वैसे ही लड़ रही है।

ममता बनर्जी के लिए वंदे मातरम् भी बड़ा चैलेंज साबित हो सकता है. वैसे तो राज्यसभा के बुलेटिन में सांसदों को जय हिंद और वंदे मातरम का इस्तेमाल नहीं करने की हिदायत पर ममता बनर्जी का गुस्सा सामने आ चुका है, क्यों नहीं बोलेंगे? जय हिंद और वंदे मातरम हमारा राष्ट्रीय गीत है... ये हमारी आजादी का नारा है... जय हिंद हमारा नेताजी का नारा है... इससे जो टकराएगा चूर चूर हो जाएगा।

लेकिन, ये बयान बस एक पक्ष है. ममता बनर्जी का ये स्टैंड हमेशा नहीं रहने वाला है। ये रिएक्शन सामने आने की भी खास वजह है. वंदे मातरम् के साथ जय हिंद भी यहां मुद्दा बना है। ममता बनर्जी के लिए दोनों स्लोगन अलग अलग मायने रखते हैं। असल बात तो ये है कि ममता बनर्जी जय हिंद के कारण ही वंदे मातरम् के रोक पर भी नाराजगी जाहिर कर रही हैं. अगर साथ में जय हिंद नहीं होता, और चुनाव का मौका नहीं होता, तो ममता बनर्जी के मुंह से कुछ और ही सुनने को मिला होता।

बीजेपी वंदे मातरम् पर जिस हिसाब से आगे बढ़ रही है, और ममता बनर्जी के खिलाफ चीजें जिस तरह से बदल रही हैं, चुनौतियां बढ़ने वाली हैं। 7 नवंबर, 2025 को वंदे मातरम् गीत को 150 साल पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी ने देश भर में कई कार्यक्रम किए थे। कोलकाता में बंकिम चंद्र के नाम पर बनी लाइब्रेरी के रखरखाव का मामला भी तूल पकड़ रहा है, जहां से पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को बाहर से ही लौटना पड़ा था।

वंदे मातरम् के रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी ने अपने जीवन के छह-सात साल इसी घर में गुजारे थे. और, अप्रैल, 1894 में यहीं उनका निधन हुआ था. तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने से पहले लेफ्ट सरकार ने इस घर का अधिग्रहण किया था, और 2005 में यहां पुनर्निर्माण का काम हुआ. 2006 में घर को लाइब्रेरी में तब्दील कर दिया गया।

वंदे मातरम् की रचना के 150 साल पूरे होने के मौके पर शुभेंदु अधिकारी ने यहां कार्यक्रम रखा था, लेकिन लाइब्रेरी का गेट नहीं खुलने के कारण उनको बैरंग ही लौट जाना पड़ा. बीजेपी ने आरोप लगाया कि जान बूझकर लाइब्रेरी का गेट नहीं खोला गया।

बंगाल बीजेपी अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने हाल ही प्रेस कांफ्रेंस करके लाइब्रेरी की बदहाली का मुद्दा उठाया था, और दावा किया कि बंकिम चंद्र का घर उपेक्षित हालत में है. शमिक भट्टाचार्य ने लाइब्रेरी बने घर के रखरखाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा है, और मांग की है कि केंद्र सरकार इसका नियंत्रण अपने हाथ में ले ले।

बंकिम चंद्र चटर्जी की पांचवीं पीढ़ी के दो लोग सजल चटर्जी और सुमित्रा चटर्जी ने भी बीजेपी का सपोर्ट किया है. बंकिम चंद्र चटर्जी के वंशज का आरोप है कि पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार को बंकिम चंद्र की स्मृति के रखरखाव से कोई मतलब ही नहीं है। एक अखबार से बातचीत में सजल चटर्जी का कहना है, जिस राज्य में हम रहते हैं, वहां की सरकार न हमें जानती है और न ही हमें कभी याद किया जाता है... अगर बंकिम चंद्र के परिवार में कोई जिंदा है तो कौन है? कहां रहता है? सरकार ने कभी ये जानने की कोशिश नहीं की... ममता बनर्जी ने भी कभी हमें याद नहीं किया। तृणमूल ने लाइब्रेरी की उपेक्षा का ठीकरा सीपीएम पर फोड़ा है। टीएमसी नेताओं का दावा है कि लाइब्रेरी की प्रबंध समिति शुरू से ही सीपीएम की रही है।

छत्तीसगढ़ के ताड़मेटला और झीरम कांड में शामिल रहे 33 लाख के इनामी नक्सली दंपति ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के ताड़मेटला और झीरम कांड में शामिल रहे 33 लाख के इनामी नक्सली दंपति माड़वी गंगी ने रविवार को आंध्र प्रदेश में आत्मसमर्पण कर दिया।

सुकमा जिले की सबसे बड़ी नक्सली वारदातों ताड़मेटला, जिसमें सीआरपीएफ के 76 जवान बलि?दान हुए थे और झीरम घाटी हमला, जिसमें कांग्रेस के कई शीर्ष नेता मारे गए थे। इन जघन्य वारदातों में शामिल 25 लाख के इनामी नक्सली, दरभा डिवीजन इंचार्ज जयलाल उर्फ दिरदो विज्जा और उसकी पत्नी 8 लाख की इनामी महिला नक्सली मलंगेर एरिया कमेटी इंचार्ज माड़वी गंगी उर्फ भीमे ने आज सीमावर्ती आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिला मुख्यालय में आंध्र प्रदेश के एसपी अमित बरदार और सुकमा एएसपी (नक्सल) रोहित शाह के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पित नक्सली दंपति जयलाल और संगठन के लिए सबसे अधिक लेवी वसूलने वाली भीमे कई बड़े नक्सली वारदातों में शामिल रहे थे। सुकमा एएसपी (नक्सल) रोहित शाह ने बताया कि सुकमा में लगातार चल रहे एंटी-नक्सल ऑपरेशन और नए कैंपों की स्थापना से संगठन पर दबाव बढ़ा है, जिसके चलते दोनों के पास पुनर्वास ही एकमात्र विकल्प बचा था। उन्होंने कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति का पूरा लाभ आत्मसमर्पित नक्सली दंपति को दिया जाएगा और अन्य नक्सलियों से भी हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास में भागीदारी की अपील की गई ।

पुलिस के अनुसार जयलाल पिछले 40 वर्षों से नक्सली संगठन से जुड़ा हुआ था। उसने 1994 में बाल संगम के रूप में नक्सल संगठन में प्रवेश किया। इसके बाद वह सीएनएम सदस्य, एलओएस कमांडर, सेक्शन कमांडर, मिलिट्री कमांडर और अंत में एसजेडसीएम पद पर सक्रिय रहा। वह 2010 के ताड़मेटला हमले, 2013 के झीरम कांड, 2020 मिनपा घटना (17 जवान बलीदान), 2021 टेकलगुड़म (22 जवान बलिदान) और 2024 में धर्मापेंटा व टेकलगुड़ा कैंप पर हुए हमलों का मुख्य सहभागी रहा।

मेंटॉरशिप के बिना स्टार्टअप आगे नहीं बढ़ सकते, सिर्फ फंडिंग पर्याप्त नहीं : डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत की अगली पीढ़ी के स्टार्टअप को आकार देने में फंडिंग से ज्यादा महत्वपूर्ण भूमिका मेंटॉरशिप की होगी। उन्होंने शोध में जोखिम लेने की संस्कृति और युवा नव प्रवर्तकों को शुरुआती मार्गदर्शन देने की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने यह बात आज यहां इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल के दूसरे दिन 'स्टार्टअप जर्नीज' विषय पर आयोजित पैनल चर्चा के दौरान कहा कि भारत सीमित विज्ञान शिक्षा की स्थिति से निकल कर अब ऐसे दौर में पहुंच चुका है, जहां अवसर लोकतांत्रिक ढंग से छोटे शहरों और साधारण पृष्ठभूमि के युवाओं तक पहुंच रहे हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अब केवल नीति निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि विचारों को बाजार से जोड़ने वाला मजबूत इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है। जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद, राष्ट्रीय मिशन और सेक्टर-विशिष्ट कार्यक्रमों के जरिए स्टार्टअप को फंडिंग, उद्योग और मेंटरशिप से जोड़ा जा रहा है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि नवाचार असफलताओं के बिना संभव नहीं है इसलिए शोध और विकास में जोखिम को स्वीकार करना होगा, तभी भारतीय स्टार्टअप वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। स्वास्थ्य तकनीक और जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत ने बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं, जो पहले केवल विदेशों में ही उपलब्ध थीं। युवा उद्यमियों के सवालों का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि स्टार्टअप शुरू करने से पहले उद्देश्य और क्षमता की स्पष्ट समझ जरूरी है। खासकर छात्र-छात्राओं के लिए सरकार शुरुआती स्तर पर प्रतिभा पहचान और मार्गदर्शन से जुड़े कार्यक्रमों का विस्तार कर रही है।

लॉरेंस गैंग की धमकी के बाद पवन सिंह पहुंचे मुंबई क्राइम ब्रांच, दर्ज कराई शिकायत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह बिग बॉस 19 में गेस्ट बनने के बाद मुसीबत में फंस गए हैं। उन्होंने रियलिटी शो के फिनाले में होस्ट सलमान खान के साथ स्टेज शेयर किया था। ऐसा ना करने के लिए पवन सिंह को लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से धमकी मिली थी। बावजूद इसके पावर स्टार ने धमकी की परवाह नहीं की और सलमान संग स्क्रीन शेयर किया।

अब इस मामले में नया मोड़ आया है. पवन सिंह की तरफ से मुंबई पुलिस को 2 अलग-अलग शिकायत दी गई है. उन्होंने बताया कि उनसे पैसे की डिमांड की गई और धमकी भी दी गई है. मुंबई क्राइम ब्रांच की सेल को शिकायत दी गई है. पवन सिंह और उनकी टीम क्राइम ब्रांच के दफ्तर कुछ देर बाद जाएगी. पवन सिंह से जुड़े और उनका काम देख रहे लोगों को बिहार से लेकर मुंबई तक के नंबरों पर मैसेज किया गया. ऑडियो मैसेज भी भेजा गया है।

मालूम हो, इससे पहले कपिल शर्मा के शो में जब सलमान खान गेस्ट बने थे, तब लॉरेंस की गैंग ने कॉमेडियन को दबंग खान संग स्क्रीन न शेयर करने की चेतावनी दी थी।

यूएसएसआर के बंटवारे के बाद भी कैसे ताकतवर रहा रुस, अमेरिका के अरमानों पर किस तरह फिरा पानी

लंदन ■ एजेंसी

दूसरे विश्व युद्ध के बाद दुनिया में दो ही ताकतें बची थी, अमेरिका और सोवियत संघ (यूएसएसआर)। लेकिन एक-दूसरे के पछाड़ने के लिए दोनों परमाणु हथियार बनाने लगे, जासूसी करने लगे, और देशों को अपने-अपने पाले में लाने में जुट गए। ये शीत युद्ध का दौर था। इसके खत्म होते-होते सोवियत संघ 15 आजाद देशों में बांटा। अब अमेरिका के सामने कमजोर प्रतिद्वंद्वी होना था, लेकिन बंटवारे के बाद भी रूस उस हद तक कमजोर नहीं पड़ा, बल्कि यूएस को आंख दिखाता रहा।

यूगोस्लाविया को ही लें, तब नब्बे के दौर में यह देश टूटकर 7 छोटे देशों में बंट गया। बंटवारे से पहले यूगोस्लाविया एक मजबूत सैन्य शक्ति था, जिसकी यूरोप में पूछ थी। लेकिन विभाजन के बाद सारे ही देशों की इकनॉमी सिकुड़ गई। गृह जंग चलने लगा और अंतरराष्ट्रीय असर कई गुना कम हो गया। 35 साल से ज्यादा वक्त बाद भी टूटे हुए देशों की ताकत वैसी नहीं, जैसी यूगोस्लाविया की थी। लेकिन माना गया था कि सोवियत का बंटवारा भी यही करेगा। 15 हिस्सों में बड़े देश में रूस सबसे बड़ा था और यही विरासत संभाल रहा था।

अमेरिका की नजर थी कि अब ये भी मुकाबले से जाएगा और वहां दुनिया की अकेली ताकत बनकर रहेगा। यही वहां वक्त था जिसे यूनिपोलर मूमेंट कहा गया। इसके बावजूद रूस पूरी तरह नहीं टूटा, बल्कि आने वाले दशकों में वह मजूबत आर्थिक और सैन्य शक्ति ही दिखा।

यह कैसे हुआ

उसके पास कुदरती संसाधन भी ढेर के ढेर थे। जैसे तेल भंडार, हीरे, निकल, टाइटेनियम, कोबाल्ट के अलावा कई दुर्लभ चीजें रुस के पास मौजूद थी। यूरोप और एशिया में फैली जमीन। यूरोप रूस की गैस पर काफी हद तक निर्भर था, यही रूस की ताकत बना। सोवियत के बिखरने के बाद भी रूस के पास करीब 15 करोड़ की आबादी बची थी, जो उस समय यूरोप में किसी भी देश से कहीं ज्यादा थी। इससे उसकी सेना, डिफेंस इंडस्ट्री बाकी उद्योग चलते रहे। बंटवारे के तुरंत बाद वैसे रूस कमजोर हुआ था। लगभग एक दशक तक ऐसी गिरावट आई जिसे रूसी डिप्रेशन भी कहा गया। रूबल की वैल्यू घट गई थी। तभी ओलिगार्क्स यानी बड़े उद्योगपतियों ने सस्ते दामों में देश की बड़ी कंपनियां खरीद लीं, जिससे असमानता बढ़ गई थी।

वक्फ संपत्तियों का डिजिटल लेखा जोखा पूरा, 'उम्मीद' पोर्टल बंद

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वक्फ संपत्तियों के डिजिटलीकरण और उनके प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया महत्वाकांक्षी 'उम्मीद' पोर्टल निर्धारित समय सीमा पूर्ण होने के बाद आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया है। यह निर्णय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों और उम्मीद अधिनियम, 1995 के अनुसार दिया गया है।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस पोर्टल का शुभारंभ 06 जून 2025 को किया था। छह महीने की निर्धारित अवधि पूरी होने पर इसे 06 दिसंबर 2025 को औपचारिक रूप से बंद किया गया।

मंत्रालय के अनुसार, राज्यों के साथ लगातार समन्वय, समीक्षा बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सचिव-स्तरीय हस्तक्षेपों के चलते अंतिम चरण में रिकॉर्ड स्तर पर वक्फ संपत्तियों का डेटा पोर्टल पर अपलोड किया गया।

पोर्टल पर दर्ज अंतिम आंकड़े के अनुसार, कुल अपलोडेड वक्फ संपत्तियों की संख्या 5,17,040 है, जिनमें स्वीकृत संपत्तियां 2,16,905, प्रक्रियाधीन/प्रस्तुत संपत्तियां 2,13,941 और अस्वीकृत संपत्तियां (सत्यापन में) 10,869 हैं।

पोर्टल के संचालन के दौरान मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्रशेखर कुमार ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ 20 से अधिक समीक्षा बैठकें कीं। मंत्रालय ने कहा कि यह उपलब्धि वक्फ संपत्तियों के डिजिटल, पारदर्शी और एकीकृत प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय स्तर पर इस अभियान को सफल बनाने के लिए राज्यों में नियमित प्रशिक्षण सत्र, कार्यशालाएं और तकनीकी सहायता प्रदान की गई। दिल्ली में दो दिवसीय मास्टर ट्रेनर कार्यशाला के साथ सात क्षेत्रीय बैठकें भी आयोजित की गईं।

उप-राष्ट्रपति राधाकृष्णन ओम शांति रिट्रीट सेंटर के रजत जयंती वर्ष के शुभारंभ अवसर पर बोले

ध्यान और आध्यात्मिकता ही विकसित भारत 2047 की कुंजी : सी.पी. राधाकृष्णन

गुरुग्राम ■ एजेंसी

भारत के उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि भारत के ऋषियों, मुनियों और तपस्वियों की साधना ने विश्व को ध्यान, आत्मबल और सत्य के मार्ग पर अग्रसर किया है। राजयोग, विपश्यना और तपस्या जैसी समृद्ध आध्यात्मिक परंपराएं आज भारत को विश्वगुरु बना रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प में यही आध्यात्मिक शक्ति राष्ट्र का मार्गदर्शन कर रही है।

उप-राष्ट्रपति रविवार को गुरुग्राम जिला के बोहड़ाकलां में स्थित ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ओम शांति रिट्रीट सेंटर के रजत जयंती वर्ष के रश्मियां कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। उप-राष्ट्रपति के हरियाणा आगमन पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने स्वागत किया। उप-राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करके अपने संबोधन में कहा कि ध्यान आत्मा, मन और शरीर को गहन शांति प्रदान करता है। ध्यान की अवस्था में सकारात्मक विचार उत्पन्न होते हैं और आंतरिक ऊर्जा का संचार होता है। इसी ध्यान की अनुभूति के बीच, समाज के विभिन्न क्षेत्रों - एविएशन, चिकित्सा, विज्ञान, प्रशासन, सामाजिक सेवा और राजनीति से आए हुए व्यक्तित्वों से परिचय हुआ, जो इस बात का प्रमाण है कि ध्यान और आध्यात्मिक शांति हर मनुष्य की आवश्यकता है। उप-राष्ट्रपति ने कहा कि धर्म का पालन शांति और विजय दोनों देता है। मन को जीतना ही सफलता का प्रथम सूत्र है, यही गीता का संदेश है। जब तक हम भीतर सकारात्मकता, विनम्रता और सेवा-भाव नहीं अपनाते, तब तक मन की शांति संभव नहीं। तमिल परंपरा के महान कवि तिरुवल्लुवर ने कहा है-मन में लाखों विचार आते हैं, पर जीवन का अगला क्षण भी निश्चित नहीं। अत: चिंता नहीं, बल्कि सद्कर्म, सद्भाव और समाज-सेवा ही मनुष्य को सच्ची शांति प्रदान करते हैं। उन्होंने मानवहित में संस्थान द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना भी की। उप-राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि हमारी संस्कृति में सदैव केवल अपने ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व के कल्याण का संदेश निहित है।

पत्नी उषा और बच्चों को भारत भेजो, ट्रंप के उपराष्ट्रपति के बयान से मचा हंगामा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के एक बयान से अमेरिका में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है. उन्होंने कहा है कि अमेरिका में बड़ी संख्या में होने वाला प्रवासन अमेरिकी ड्रीम की चोरी है. आलोचकों ने जेडी वेस की इस टिप्पणी को पाखंडी और विदेशी-विरोधी (जेनोफोबिक) बताया है। कई लोगों ने वेंस को टार्गेट करते हुए यह भी कहा है कि उनकी पत्नी उषा वेंस, भारतीय मूल के प्रवासियों की बेटी हैं. कुछ लोग अमेरिकी उपराष्ट्रपति पर व्यंग्य करते हुए कह रहे हैं कि उन्हें उषा को वापस भारत भेज देना चाहिए।

वेंस ने अमेरिकी ड्रीम की चोरी पर टिप्पणी सोशल मीडिया एक्स पर किए गए एक पोस्ट में की. उन्होंने दावा किया कि बड़े पैमाने पर प्रवासन अमेरिकी कामगारों से अवसर छीन लेता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रवासियों से अमेरिका को होने वाले फायदों पर जो स्टडी होती है वो फंडेड हैं. उनका कहना है कि ऐसी स्टडीज को वही लोग फंड देते हैं जो प्रवासियों के अमेरिका आने से मुनाफा कमाते रहे हैं। जेडी वेंस की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लेखक और राजनीतिक विश्लेषक वजाहत अली ने लिखा, तो फिर आपको उषा, उनके भारतीय परिवार और अपने मिश्रित नस्ल के बच्चों को भी वापस भारत भेजना पड़ेगा।

आपके काम की बात-जगत शर्मा (9399004721)

ओवरथिंकिग कई बीमारियों की वजह, इससे बचें

भोपाल ■ अमृत दर्शन

आप रात में सोने का प्रयास कर रहे हैं, नींद भी आई लेकिन अचानक नींद टूट जाती है, फिर जाने कहां कहां के विचार योजनाएं आपके दिमाग में आते जाते हैं। आप बहुत कोशिश करते हैं लेकिन नींद नहीं आती हैं। विचारों से बाहर निकलने की जद्दोजहद है सुबह होने लगती है। नींद पूरी न होने के कारण आपका दिन, पाचनतंत्र और स्वास्थ्य प्रभावित होता है पूरा दिन खराब हो जाता है।

इसी तरह आप सुबह वास रूम गए हैं फ्रेस होते होते विचारों के भंवर में फस जाते हैं और अधिक समय वहां हो जाता है जिससे पूरा दिन तनाव में गुजरता है।

यह दोनों लक्षण ओवरथिंकिंग के लक्षण हैं। दरअसल ओवरथिंकिंग (ज़्यादा सोचना) के लक्षणों में छोटी बातों पर बार-बार चिंता करना, मानसिक थकान, नींद न आना और बेचैनी शामिल हैं, जबकि इसके उपायों में विचारों को पहचानना, व्यायाम, दोस्तों से बात करना, अच्छी नींद लेना और वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना शामिल हैं, ताकि आप अतीत (रूमिनेशन), भविष्य (फ्यूचर ट्रिपिंग) और किसी चीज़ के ज़्यादा विश्लेषण (ओवर-एनालाइजिंग) से बच सकें और मानसिक शांति पा सकें। ध्यान रखें ओवरथिंकिग के कारण मानसिक तनाव उत्पन्न होने से डायबिटीज,वीपी,कैलोस्ट्राल, थायराइड जैसी बिमारियां शरीर को जकड़ सकती हैं।

ओवरथिंकिंग के उपाय

- **जागरूक बनें** : जब ज़्यादा सोचने लगें, तो रुककर उस विचार को पहचानें और स्वीकार करें कि आप ज़्यादा सोच रहे हैं।
- **ध्यान** : वर्तमान क्षण पर ध्यान दें। ध्यान या गहरी साँस लेने के व्यायाम मदद कर सकते हैं।
- **शारीरिक गतिविधि** : टहलना, दौड़ना या कोई व्यायाम एंडोर्फिन जारी करता है और तनाव कम करता है।
- **सामाजिक जुड़ाव** : दोस्तों या परिवार से बात करें, दूसरों से जुड़ने से मन भटकता है और सकारात्मक महसूस होता है।
- **सोने का रूटीन** : रोज़ाना एक ही समय पर सोएं और सोने से पहले गंभीर विषयों पर सोचने से बचें।
- **'क्या होता अगर' से बचें** : अतीत की गलतियों या भविष्य की चिंताओं में उलझने के बजाय आज पर ध्यान दें।
- **समस्याओं को लिखें** : अपने विचारों और चिंताओं को एक डायरी में लिखें, इससे दिमाग को हल्का महसूस होता है।
- **मनोरंजन** : अपनी पसंद का कोई काम करें, जैसे फिल्म देखना या संगीत सुनना, ताकि ध्यान भटक सके।

यदि ओवरथिंकिंग आपकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी को बहुत ज़्यादा प्रभावित कर रही है, तो किसी थेरेपिस्ट या काउंसलर (जैसे CBT थेरेपी) की मदद लेना बहुत फायदेमंद हो सकता है।

ओवरथिंकिंग के लक्षण

- **लगातार चिंता** : छोटी-छोटी बातों पर भी बहुत ज़्यादा सोचना और बेचैन रहना।
- **मानसिक थकावट** : दिमाग का लगातार उलझे रहना, जिससे मानसिक रूप से थकावट महसूस होती है।
- **नींद की समस्या** : सोने से पहले नकारात्मक विचार आना और ठीक से सो न पाना।
- **निर्णय लेने में कठिनाई** : किसी एक चीज़ पर इतना सोचना कि फैसला लेना मुश्किल हो जाए।
- **शारीरिक लक्षण** : सिरदर्द, मांसपेशियों में तनाव, भूख न लगना या पेट की समस्याएँ।
- **रिश्तों में दिक्कत** : दूसरों का बेवजह विश्लेषण करना और सहजता से रिश्ते न बना पाना।

इंडिगो संकट से राहत की शुरुआत

भोपाल एयरपोर्ट पर उड़ानें पटरी पर लौटीं, एक फ्लाइट कैंसिल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

देशभर में इंडिगो एयरलाइन की उड़ानों को लेकर मचे हड़कंप के बीच राजधानी भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट से राहत भरी खबर सामने आई है। यहां हालात धीरे-धीरे सामान्य होने लगे हैं। सोमवार को दिल्ली से भोपाल आने वाली केवल एक ही उड़ान रद्द रही, जबकि बाकी उड़ानों का संचालन तय समय के करीब होता दिखाई दिया। हालांकि इस एकमात्र फ्लाइट के निरस्त होने से दिल्ली-भोपाल के बीच सफर करने वाले यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। यही विमान सोमवार सुबह 8:25 बजे भोपाल से दिल्ली के लिए रवाना होने वाला था, जिससे दोनों तरफ के यात्री प्रभावित हुए।

रविवार को राजा भोज एयरपोर्ट से इंडिगो की दो उड़ानें रद्द रहीं। इनमें भोपाल से मुंबई और बेंगलुरु जाने वाली फ्लाइट शामिल थीं। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही उड़ानों की कटौती ने यात्रियों की चिंता बढ़ा दी थी।

आखिर क्यों बिगड़े थे हालात?

दरअसल डीजीसीए द्वारा फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (स्न्ष्ठञ्जरु) को सख्ती से लागू किए जाने और क्रू में कमी के चलते इंडिगो को बड़ी संख्या में विमान ग्राउंड करने पड़े। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीते छह दिनों में करीब 5 हजार उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जिससे देशभर में हवाई यातायात प्रभावित हुआ।

यात्रियों को मिली बड़ी राहत

सरकारी निर्देशों के बाद इंडिगो ने अब तक यात्रियों को करीब 610 करोड़ रुपये का रिफंड लौटाया है। इसके अलावा तीन हजार से ज्यादा फंसे हुए बैग भी यात्रियों को वापस किए जा चुके हैं। एविएशन सेक्टर से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि 10 दिसंबर के बाद उड़ानों का संचालन पूरी तरह पटरी पर आने की संभावना है। इस बीच भोपाल एयरपोर्ट पर स्थिति में सुधार यात्रियों के लिए राहत का संकेत माना जा रहा है।

जानकारी की कमी से बढ़ा यात्रियों का गुस्सा

उड़ानों के रद्द होने की सही और समय पर सूचना नहीं मिलने के कारण यात्रियों में नाराजगी देखने को मिली। एयरपोर्ट पर इंडिगो के काउंटरों पर यात्रियों और एयरलाइन स्टाफ के बीच बहस और नोकझोंक की स्थिति भी बनी। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, पुणे, चंडीगढ़, अहमदाबाद, हैदराबाद, गोवा, रायपुर, नागपुर और जम्मू सहित कई शहरों की फ्लाइट्स इसका शिकार बनीं।

नेशनल शूटिंग खिलाड़ी ने शस्त्र लाइसेंस बनवाते समय छिपाई जानकारी

भोपाल। राइफल शूटिंग के नेशनल खिलाड़ी साहिब उर्रहमान के खिलाफ शस्त्र लाइसेंस प्राप्त करते समय अपराध छुपाने का मामला उजागर हुआ है। जांच में पता चला कि उन्होंने आवेदन देते समय शपथ पत्र में खुद को अपराध मुक्त बताया था, जबकि उनके खिलाफ 2018 में दर्ज हुए मारपीट के मामले का रिकॉर्ड मौजूद है। कोहेफिजा पुलिस ने अब उनके खिलाफ धोखाधड़ी और आर्म्स एक्ट उल्लंघन का केस दर्ज कर लिया है। शस्त्र लाइसेंसों की समीक्षा के दौरान लगभग चार महीने पहले साहिब उर्रहमान के लाइसेंस में अनियमितता मिली थी। कलेक्टर द्वारा की गई जांच में स्पष्ट हुआ कि आवेदन में दी गई जानकारी तथ्यात्मक रूप से गलत है। इसके आधार पर प्रशासन ने उनका लाइसेंस निरस्त कर दिया था। साहिब का लाइसेंस वर्ष 2023 में थाना शाहजहांनाबाद से जारी हुआ था। इसके बावजूद पुलिस सत्यापन में 2018 का पुराना केस सामने नहीं आया, जिससे पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे हैं। कोहेफिजा पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, 3 फरवरी 2018 को चौकसे नगर निवासी जोहेब अकबर की शिकायत पर साहिब उर्रहमान, जिबरान, हामिद और अन्य के खिलाफ रास्ता रोककर मारपीट का केस दर्ज किया गया था।

भगवान अग्रसेन एवं कुलदेवी महालक्ष्मी की 21वीं महाआरती

महाआरती की जजमानी महाराजा अग्रसेन गृह निर्माण समिति ने की

भोपाल ■ अमृत दर्शन

अग्रकुल प्रवर्तक एवं अग्रवाल समाज के आराध्य देव महाराज अग्रसेन एवं कुलदेवी माता लक्ष्मी की आज 21वीं महाआरती आईटीसी पार्क, कमला पार्क के सामने भोपाल में संपन्न हुई। आरती की जजमानी महाआरती की जजमानी महाराजा अग्रसेन गृह निर्माण समिति द्वारा की गई। आरती में अनेक अग्रबंधु, महिलाएं एवं बच्चें शामिल हुए।

अग्रवाल समाज सदैव भगवान अग्रसेन महाराजा जी के उद्देश्य करूणामीय, दयालु, दुखिहारों की सहायता करने में अग्रणी रहता हैं। भगवान श्री अग्रसेन महाराज जी के करूणामीय स्वभाव, एक ईंट-एक रूपया से समाजवाद के प्रथम प्रणेता, युग पुरूष, महादानी एवं राम राज्य के समर्थक के सिद्धांतों को अपनाकर एवं समाज के कल्याण की भावना के साथ ही बच्चों को भगवान श्री अग्रसेन महाराज जी के जीवन से प्रेरणा मिले, इसी उद्देश्य से महाआरती का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। आरती में लकी ड्रॉ भी निकाला जाता है। विजेता को पुरस्कार प्रकार कर सम्मानित भी किया जाता है। लकी ड्रॉ का लाभ अधिक से अधिक अग्रबंधु प्राप्त कर रहे हैं। आयोजन कर्ताओं ने बताया कि आरती लगातार 20 माह से सम्पन्न हो रही है। साथ ही भगवान श्री अग्रसेन जी प्रतिमा पर नियमित माल्यार्पण भी किया जा रहा हैं। महाआरती होने से समाज में भक्ति-भाव, उत्साह एवं उमंग का माहौल स्थापित हो रहा है। महाआरती में मुकेश गोयल, नितिन गुप्ता, विनीत अग्रवाल, रोहित गुप्ता, राहुल अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, सुलभ मित्तल, वरुण अग्रवाल, प्राशु गर्ग, राजेश अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, रवि गोयल, एडवोकेट, मोहित अग्रवाल, कैलाश चंद अग्रवाल, अमित मित्तल, निशा अग्रवाल, रानी मित्तल सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन, महिलाएं एवं बच्चे शामिल हुए।

भोपाल की धरा को पावन करने वृंदावन से पधारे पं. सुरेश पचौरी एवं पं. विशाल पचौरी

अब होगा भोपाल का कण-कण पावन, जागेगी शाश्वत भक्ति

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल की पावन धरती पर निकुंज आश्रम, कैलाश नगर, वृंदावन से पधारे करौली निवासी पं. सुरेश जी पचौरी एवं उनके सुपुत्र पं. विशाल पचौरी का प्रतिवर्ष आगमन भक्ति, रामधुन और कीर्तन की दिव्य परंपरा को सजीव करता आ रहा है। इस समय आप भोपाल के अयोध्या नगर, ए सेक्टर में अल्प प्रवास पर विराजमान हैं।

पर्यावरण, संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन ने बताया कि पं. सुरेश पचौरी जी मात्र 15-16 वर्ष की आयु से ही अपने पूज्य गुरु श्री भागवत शरण महाराज, वृंदावन के सान्निध्य में पद-विहार करते हुए देशभर में प्रभु-भक्ति का संदेश जन-जन तक पहुँचा रहे हैं।

आप उड़ीसा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश सहित अनेक राज्यों के शहरों और गाँवों में पद-विहार कर रामधुन, 'हे नाथ नारायण जय वासुदेवा' जैसे दिव्य भजनों को अपनी पावन वाणी से जनमानस के हृदय में प्रतिष्ठित कर चुके हैं। आपके चरणों से अनेक प्रदेशों की भूमि पावन हुई है।

लगभग 35-40 वर्षों से निरंतर रामधुन, भक्ति और सुमिरन में रत है! पं. सुरेश पचौरी पिछले 20 वर्षों से हर वर्ष भोपाल प्रवास पर आ रहे हैं। यहाँ आप कड़कड़ाती सर्दी में भी प्रातः 6 बजे पद-विहार कर प्रभात फेरी निकालते हैं, जहाँ आपकी मधुर भजन-धुनें पूरे वातावरण को आध्यात्मिकता से भर देती हैं।

आपकी प्रभात फेरी से न केवल क्षेत्र का वातावरण पवित्र हो उठता है, बल्कि नगरवासियों का मन भी भक्ति-रस से सराबोर हो जाता है। भीषण ठंड में भी आपकी भक्ति-निष्ठा को देखकर नगरवासी अभिभूत हो उठते हैं। आपकी वाणी से निकला हरि-कीर्तन सीधे लोगों के हृदय में उतरता है और भक्ति का दिव्य अंकुर प्रत्येक जन-मन में अंकुरित हो जाता है।

पं. सुरेश पचौरी ने बताया कि प्रभु नामों के जप से मन में शांति, श्रद्धा और समर्पण की अनुभूति होती है।'हे नाथ नारायण वासुदेवा, पितु मात स्वामी सखा हमारे' अर्थात 'हे प्रभु! आप ही मेरे पिता हैं, आप ही माता हैं, आप ही मेरे स्वामी और सखा (मित्र) हैं।'जहाँ भक्त अपने जीवन के प्रत्येक संबंध, प्रत्येक सुरक्षा और प्रत्येक विश्वास को ईश्वर में ही निहित मानता है।

एक्टर धर्मेंद्र के 90वां जन्मदिन पर फैंस की श्रद्धांजलि

पूरे दिन ऑटो चलाएंगे, सवारी को मुफ्त कराएंगे यात्रा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

हिंदी फिल्मों के ही-मैन धर्मेंद्र का आज 90वां जन्मदिन है। भोपाल में उनके फैंस कैलाश रैकवार अनोखे ढंग से जन्मदिन मना रहे हैं। वे पूरे दिन ऑटो चलाएंगे, लेकिन सवारी से 1 रुपया भी नहीं लेंगे। सुबह से वे 20 से ज्यादा सवारियों को बैठा चुके हैं।

भोपाल में एक्टर धर्मेंद्र के कई फैंस हैं। इन्होंने धर्मेंद्र एक अनमोल रत्न इंटरनेशनल फैंस क्लब और गजब धरम जी फैंस क्लब बना रखा है। इन दोनों क्लब के जरिए वे सालों से जन्मदिन मनाते आ रहे हैं।

पेशे से ऑटो चालक कैलाश ने बताया कि वे हर साल अपने हीरो सदाबहार, सुपर स्टार धर्मेंद्र के जन्मदिन पर भोपाल में विशेष कार्यक्रम आयोजित करते हैं। उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी फिल्म स्टार धर्मेंद्र को और हेमा मालिनी को भी है। इस बार लोगों के लिए मुफ्त में ऑटो चलाकर धर्मेंद्र जी को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। सुबह 7 बजे से उन्होंने ऑटो चलाना शुरू कर दिया, जो शाम तक जारी रहेगा। किसी भी यात्री से कोई किराया नहीं लेंगे।

धर्मेंद्र कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। जिसके बाद डॉक्टरों ने घर पर ही उनके आगे के इलाज की बात कही थी, लेकिन फिर 24 नवंबर को उनका निधन हो गया था।

पूर्व एमएलए की वकील बेटी को गुंडा घोषित करना पुलिस को पड़ा महंगा

कोर्ट ने टीआई-एसआई पर लगाया 2 लाख का जुर्माना

पड़ोसियों से विवाद हुआ, पुलिस ने उल्टा केस दर्ज कर दिया

भोपाल ■ अमृत दर्शन

महिला अधिवक्ता वीणा गौतम को बिना आधार गुंडा करार देने की ऐशबाग थाना पुलिस की कार्रवाई पर अदालत ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने इस कदम को मनमाना बताते हुए तत्कालीन थाना प्रभारी अजय नायर और एसआई गौरव पांडेय को दो लाख रुपए हर्जाना भुगतान करने का आदेश दिया है।

वीणा गौतम पूर्व विधायक खूबचंद की बेटी हैं और कई सामाजिक संगठनों में सक्रिय हैं। वो पड़ोसियों से हुए मामूली विवाद की शिकायत दर्ज कराने ऐशबाग थाने गई थीं। उनकी शिकायत पर कार्रवाई करने की बजाय पुलिस ने उनके और उनके पति के खिलाफ काउंटर केस दर्ज कर दिया। इसके बाद दोनों का नाम गुंडा लिस्ट में डालते हुए मामला एसडीएम कोर्ट भेज दिया गया। पुलिस ने दावा किया कि दंपति आदतन अपराधी हैं और लोगों में खौफ पैदा करते हैं।

एसडीएम ने पुलिस की कार्रवाई को निराधार बताया: नजूल शहर एसडीएम ने दस्तावेजों और रिपोर्ट की जांच के बाद पाया कि पुलिस के आरोपों का कोई सबूत नहीं है। न किसी तरह की आपराधिक गतिविधि सामने आई और न ही ऐसा रिकॉर्ड मिला, जिससे दंपति को आदतन अपराधी कहा जा सके। एसडीएम ने इसे केवल आरोपों पर आधारित कार्रवाई माना और पुलिस अधिकारियों को हर्जाना देने का आदेश दे दिया।

हर्जाना न देने पर अधिवक्ता पहुंचीं जिला न्यायालय

निर्धारित समय में हर्जाना न मिलने पर वीणा गौतम ने जिला न्यायालय में याचिका दायर की। व्यवहार न्यायाधीश हेमलता अहिरवार ने एसडीएम के आदेश को सही ठहराते हुए पुलिस अधिकारियों को तुरंत दो लाख रुपए का भुगतान करने के निर्देश जारी किए।

प्रदेश का सबसे बड़ा भोजपाल महोत्सव मेला | एक जनवरी तक रहेगा रोमांच

तुम्हारी दौलत नई नई है... ने बांधा समा, हमरी अटरिया ने किया मंत्रमुग्ध

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल. राजधानी के भेल दशहरा मैदान पर चल रहे भोजपाल महोत्सव मेला के सांस्कृति मंच पर रविवार को सूफी गजल गायक कुमार सत्यम ने अपनी गीत गजलों की प्रस्तुति दी। कुमार सत्यम ने तुम्हारी दौलत नई नई है से अपनी गजलों की शुरुआत की। इसके बाद तुम्हारी याद याद याद आती है, हम तेरे शहर में आए हैं मुसाफिर की तरह, आज फिर दिल ने एक तमन्ना की, चांदी जैसा रंग है तेरा, जैसी गीत, गजलों से मेला मंच को गुलजार कर दिया।

रात 8 बजे मुख्य अतिथि पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना और दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर मेला अध्यक्ष सुनील यादव, संजोयक विकास वीरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, महेंद्र नामदेव, अखिलेश नगर सहित मेला टीम सदस्य मौजूद रहे।

मेले में मिल रही विभिन्न वैरायटी

महामंत्री हरीश कुमार राम ने बताया कि मेले में हस्त निर्मित स्वदेशी मिट्टी के बर्तन और खिलौनों के साथ ही बनारस की साड़ी, सहारनपुर का वुडन, कश्मीर के ऊलन, भदोंही का कारपेट, राजस्थान की मेलामाइन क्रॉकरी, ग्वालियर की गजक की विभिन्न वैरायटी मिल रही है। 100 से ज्यादा खान- पान के स्टाल के साथ ही विभिन्न आयटमों की करीब 400 दुकानें हैं, जहां लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। लोगों को मेले में एह ही स्थान पर जरूरत की हर प्रकार की सामग्री उपलब्ध है।

शादी के लिए शुभम बना था मुस्लिम, इस्लाम धर्म अपनाने के बाद भी नहीं हुई मैरिज

- **शुभम गोस्वामी नाम से घर हुई वापसी**

भोपाल। राजधानी भोपाल में अजब-गजब मामला सामने आया है। मुस्लिम युवती से शादी करने के लिए अमन ने इस्लाम धर्म अपना लिया था। तीन साल बाद भी शादी नहीं हुई तो आहत होकर फिर से हिंदू धर्म में घर वापसी हुई। गुफा मंदिर में अमन खान की घर वापसी हुई। इसके पहले मंत्रोचारण के साथ उनका मुंडन कराया जाएगा फिर विधिवत हिंदू धर्म में पुनः प्रवेश कराया। गुफा मंदिर में महंत और कर्मकांडी ब्राम्हण घर वापसी कराई। अमन खान से शुभम गोस्वामी के नए नाम के साथ घर वापसी हुई।

इस्लाम धर्म अपनाने के बाद धोखा: बताया जाता है कि तीन साल पहले अमन हिंदू था। मुस्लिम लड़की के प्रेम में पड़कर और शादी के लिए शुभम मुस्लिम बन गया था। इस्लाम धर्म अपनाने के बाद भी शादी नहीं कराने का आरोप लगाया है। प्रेम में धोखा खाने और आहत होकर घर वापसी कर रहे है।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल।मोबाईल नं. 9827054436 ।